लखनऊ

बुधवार 25 जून 2025

वर्ष : 10 । अंक: 338

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

निराशावादी हर अवसर में कठिनाई देखता हैं, जबकि आशावादी हर कठिनाई में अवसर देखता हैं। - विन्स्टन चर्चिल

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

माता वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन के बाद आवाजाही प्रभावित, बैटरी कार सेवा स्थगित

रियासी। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में माता वैष्णो देवी मंदिर के लिए बनाया गया नया हिमकोटि मार्ग सोमवार को तेज बारिश की वजह से भूस्खलन की चपेट में आ गया। इसका असर मंगलवार को भी दिखा। रास्ते में मिट्टी और पत्थरों से श्रद्धालुओं को आने-जाने में समस्या हुई। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है, लेकिन बैटरी कार की सेवा स्थगित कर दी गई है। श्राइन बोर्ड के कर्मचारी पुलिस और प्रशासन की मदद से मार्ग को सुचारू कर रहे हैं। नए मार्ग पर विपदा आने के बाद तीर्थ यात्रियों को पुराने मार्ग पर भेज दिया गया है। यहां से मंदिर तक के लिए यात्रा जारी है। नए हिमकोटि मार्ग पर सत्या व्यू प्वाइंट के निकट मार्ग पर भूस्खलन तब हुआ, जब क्षेत्र में तीर्थयात्रियों की आवाजाही नहीं थी। इससे बड़ा हादसा टल गया। भूस्खलन का मलबा 30 फीट से अधिक मार्ग पर फैला हुआ है। मार्ग की सफाई के बाद बैटरी कार सेवा को बहाल किया जाएगा। हिमकोटि मार्ग पर भूस्खलन का वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें श्रद्धालु कीचड़ और मलबे के बीच से निकलते नजर आ रहे हैं। पहाड़ पर बारिश की वजह से हेलीकॉप्टर सेवा भी 5 दिन से स्थगित है। इसके अलावा वैष्णो देवी के भवन से भैरव घाटी तक केबल कार की सेवा भी रोक दी गई है। यहां मार्ग पर आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और सुरक्षा बलों के जवानों को अलर्ट पर रखा गया है।

महाराष्ट्र में 5 महीने में 30,000 से अधिक लोग लापता, मुंबई में सबसे ज्यादा

मुंबई। महाराष्ट्र में अचानक लापता होने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। पिछले 5 महीने में पूरे राज्य में 30,000 से अधिक लोग लापता हो गए हैं। पुलिस के आंकड़ों के हवाले से पता चला है कि लापता होने वालों में राज्य में मुंबई सबसे आगे है, जहां जनवरी से मई के बीच में 3,475 लोग गायब हुए हैं, जो कुल मामलों का 10 प्रतिशत से अधिक है। यह आंकड़े पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य में पिछले 5 महीने में 30,113 लोग, यानी रोजाना औसतन 200 लोग गायब हो रहे हैं। लापता लोगों के मामले में मुंबई के बाद दूसरे स्थान पर ठाणे हैं, जहां 5 महीन में 2,003 लोगों की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। यहां अक्सर लापता व्यक्तियों की संख्या ज्यादा होती है। इसके बाद अहिल्याबाई नगर है, जो आबादी में बेहद कम है। यहां 1,411 गुमशुदगी के मामले दर्ज हैं। सबसे अधिक गुमशुदगी के मामले मुंबई, ठाणे और अहिल्याबाई नगर के बाद पुणे और नासिक ग्रामीण में हैं। पुणे में 1,364 और नासिक में 1,338 लापता व्यक्ति हैं। ये राज्य के शीर्ष-5 शहर हैं, जहां लापता व्यक्तियों की संख्या अधिक है। लापता कुल 30,113 लोगों में 12,467 पुरुष और 17,646 महिलाएं हैं। इसमें नाबालिग शामिल नहीं है क्योंकि उनको अपहरण में दर्ज किया जाता है। फरवरी में लापता लोगों की संख्या कम है, जबकि मार्च में 17 प्रतिशत बढ़ी है। लापता लोगों में खुद से घर छोड़ने वाले, मानसिक बीमारी, मानव तस्करी और प्राकृतिक आपदा में गायब लोग शामिल हैं। इनका पता लगाने के लिए पुलिस तकनीक का सहारा ले रही है। साथ ही सार्वजनिक सहयोग को भी बढ़ा रही है।

ऑपरेशन सिंदूर से दिखा दिया, भारतीयों का खून बहाने वालों के ठिकाने सुरक्षित नहीं पीएमकी दो टूक

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में श्री नारायण गुरुदेव और महात्मा गांधी के बीच ऐतिहासिक बातचीत के शताब्दी समारोह बैठक में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया। पीएम ने कहा कि दुनिया ने हाल ही में ये भी देखा है कि भारत का सामर्थ्य क्या है। ऑपरेशन सिन्दूर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की कठोर नीति को दुनिया के सामने स्पष्ट कर दिया है। हमने दिखा दिया है कि भारतीयों का खून बहाने वालों के लिए कोई भी ठिकाना सुरक्षित नहीं है। आज का भारत, देशहित में जो भी सही है उसके हिसाब से कदम उठाता है। प्रधानमंत्री ने शिक्षा नीति को लेकर कहा कि हमने इतने दशक बाद देश में नई शिक्षा नीति लागू की है। नई शिक्षा नीति न केवल शिक्षा को आधुनिक और समावेशी बनाती है, बल्कि मातृभाषा में पढ़ाई को बढ़ावा देती है। इसका सबसे अधिक लाभ पिछड़ों को हो रहा है। भारत के सशक्तिकरण के लिए हमें आर्थिक, सामाजिक और सैन्य, हर पहलू में आगे रहना है। आज देश, इसी रास्ते पर चल रहा है। भारत तेजी से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है।

उन्होंने श्री नारायण गुरुदेव और महात्मा गांधी को लेकर कहा कि आज ये परिसर देश के इतिहास की एक अभूतपूर्व घटना को याद करने का साक्षी बन रहा है। एक ऐसी ऐतिहासिक घटना, जिसने न सिर्फ हमारे स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी, बल्कि स्वतंत्रता के उद्देश्य को नए मायने दिए। 100 साल पहले श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी की वो मुलाकात आज भी उतनी की प्रेरक है, उतनी ही प्रासंगिक है। 100 साल पहले वो मुलाकात, सामाजिक समरसता के लिए, विकसित भारत के सामूहिक लक्ष्यों के लिए आज भी ऊर्जा के स्रोत की तरह है।

पीएम मोदी ने कहा कि श्री नारायण गुरु के आदर्श पूरी मानवता के लिए बहुत बड़ी पूंजी हैं। जो लोग देश और समाज की सेवा के संकल्प पर काम करते हैं, श्रीनारायण गुरु उनके लिए प्रकाश स्तंभ की तरह हैं। भारत की विशेषता है कि हमारा देश जब भी मुश्किलों के भंवर में फंसता है, तो कोई न कोई महान विभूति देश के किसी कोने में जन्म लेकर समाज को नई दिशा दिखाता है। कोई समाज के आध्यात्मिक उत्थान के लिए काम करता है, तो कोई सामाजिक क्षेत्र में समाज सुधारों को गति देता है।

'हमारी कोशिश में वसुधैव कुटुंबकम की धारणा'

उन्होंने कहा कि अभी हालही में हमने विश्व योग दिवस मनाया। इस बार योग दिवस की थीम थी 'वन अर्थ, वन हेल्थ', यानी एक धरती एक स्वास्थ। इससे पहले भी भारत ने विश्व कल्याण के लिए 'वन वर्ल्ड, वन हेल्थ' जैसे पहल की है। आज भारत सस्टेनेबल डेवलपमेंट की दिशा में वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड जैसे ग्लोबल मूवमेंट को लीड कर रहा है। 2023 में जब भारत ने G20 समिट को लीड किया था, तब थीम रखी थी वन अर्थ, वन फेमिली, वन फ्यूचर। हमारे इन प्रयासों में वसुधैव कुटुंबकम की धारणा जुड़ी हुई है।

'चुनाव नियमों के अनुसार होते हैं' राहुल गांधी को ईसी का जवाब, सीएम फडणवीस बोले- कब तक हवा में तीर चलाते रहोगे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में धांधली के आरोपों पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चुनाव आयोग ने ईमेल भेजकर जवाब दिया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि चुनाव पूरी तरह संसद द्वारा पारित कानूनों और निर्धारित नियमों के अनुसार कराए जाते हैं। चुनाव आयोग ने यह भी कहा कि यदि कांग्रेस या उसके उम्मीदवारों को किसी प्रकार की आपत्ति थी, तो उसे चुनाव याचिका के माध्यम से हाई कोर्ट में चुनौती दी जानी चाहिए थी। आयोग ने राहुल गांधी को आश्वासन दिया कि यदि उनके पास अभी भी कोई मुद्दा है तो वे लिखित में भेज सकते हैं। आयोग ने व्यक्तिगत बैठक के लिए भी समय निर्धारित करने की पेशकश की है।

आयोग ने 12 जून को ईमेल के माध्यम से भेजे गए पत्र में कहा कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव विकेंद्रीकृत प्रणाली के तहत कराए जाते हैं। इसमें 1 लाख से अधिक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ), 288 चुनाव पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), 139 सामान्य पर्यवेक्षक, 41 पुलिस पर्यवेक्षक, 71 व्यय पर्यवेक्षक और 288 निर्वाचन अधिकारी (आरओ) शामिल होते हैं। इसके अलावा, राज्यभर में राजनीतिक दलों द्वारा 1,08,026 बूथ स्तर के एजेंट (बीएलए) नियुक्त किए गए, जिनमें से कांग्रेस के 28,421 एजेंट थे। आयोग ने कहा कि इतने बड़े स्तर पर फैली चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाती हैं। चुनाव आयोग की ओर से यह जवाब राहुल गांधी की ओर से पिछले दिनों उठाए गए सवाल पर दिया गया है।

राहुल ने फडणवीस पर साधा निशाना तो CM ने भी दिया जवाब

दूसरी ओर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर मंगलवार को विधानसभा चुनाव में वोटर टर्नआउट में बढ़ोतरी को लेकर चुनाव आयोग और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर सवाल उठाए हैं। राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्वाचन क्षेत्र में लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच महज पांच महीने में मतदाताओं की संख्या में 8 फीसदी का इजाफा हुआ है। मीडिया को हजारों ऐसे मतदाता मिले, जिनके पास आधिकारिक आवासीय पता भी नहीं था। राहुल गांधी ने सनसनीखेज आरोप लगाया था कि यह एक तरह की वोट चोरी है।

हिंदी को 100% राष्ट्रीय भाषा घोषित किया जाना चाहिए, भाषा विवाद के बीच अबू आज़म की मांग

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार द्वारा स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य करने पर महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अबू आज़मी ने बड़ा बयान दिया है। अबू आज़मी ने कहा कि मराठी पहली भाषा है, लोग अंग्रेज़ी के पीछे भागते हैं क्योंकि वे 'गुलाम' हैं, इसलिए यह दूसरी भाषा है। मैं बार-बार दोहराता हूँ कि तीसरी भाषा हिंदी होनी चाहिए। संसद में एक समिति है जो हिंदी को बढ़ावा देने के लिए देश भर में जाती है और केंद्र सरकार के सभी काम भी हिंदी में होते हैं। कुछ लोग राजनीति करना चाहते हैं... हिंदी को 100% राष्ट्रीय भाषा घोषित किया जाना चाहिए, जो कश्मीर से कन्याकुमारी तक बोली जानी चाहिए। अगर मैं असम जाऊँ तो क्या मुझे असमिया सीखना चाहिए?

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने सोमवार रात घोषणा की कि राज्य के स्कूलों में त्रिभाषा फार्मूला लागू करने पर अंतिम निर्णय लेखकों, भाषा विशेषज्ञों, राजनीतिक नेताओं और अन्य सभी संबंधित हितधारकों के साथ विचार-विमर्श के बाद ही लिया जाएगा। यह कदम स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में शामिल करने के सरकार के फैसले के व्यापक विरोध के बीच उठाया गया है।

ईरान पर अमेरिकी बमबारी खुली आक्रामकता है, जमीयत प्रमुख मौलाना महमूद मदनी ने की कड़ी निंदा

नई दिल्ली, एजेंसी। जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने ईरान पर हाल ही में अमेरिका द्वारा की गई बमबारी की कड़ी निंदा करते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय समझौतों और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का घोर उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा कि इजरायल अब पश्चिम एशिया में खून-खराबे और आतंकवाद का केंद्र बन गया है, जिसे अमेरिका से पूरा संरक्षण मिल रहा है। महमूद असद मदनी ने कहा कि अमेरिका ने अपनी आक्रामक नीतियों के माध्यम से लगातार दुनिया को नुकसान पहुंचाया है और पश्चिम एशिया में उसकी उपस्थिति एक उपचारात्मक शक्ति से जहर के स्रोत में बदल गई है।

मौलाना मदनी ने जोर देकर कहा कि जब तक पश्चिम एशियाई देश एकजुट होकर अपनी धरती से अमेरिकी ठिकानों को नहीं हटाते, तब तक इस क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकती। उन्होंने चेतावनी दी कि अन्यथा पूरा क्षेत्र इन शैतानी साजिशों का शिकार होता रहेगा, जैसा कि इराक, अफगानिस्तान और लीबिया के साथ हुआ और अब ईरान के खिलाफ भी यही घिनौना खेल दोहराया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी शक्तिशाली देश को अपने विवेक से दुनिया में कहीं भी सैन्य बल का इस्तेमाल करने का अधिकार नहीं है। इस तरह की हरकतें न केवल अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हैं, बल्कि वैश्विक अविश्वास, घृणा और अस्थिरता को भी बढ़ावा देती हैं। मानवता को सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत सिद्धांतों का पालन करना चाहिए, और कोई भी कदम जो निर्दोष लोगों को निशाना बनाता है, मानवाधिकारों को रौंदता है, और वैश्विक शांति को खतरे में डालता है, उसे अस्वीकार्य माना जाना चाहिए। इसका मुकाबला केवल कूटनीतिक बयानों से नहीं, बल्कि दृढ़ कार्रवाई से किया जाना चाहिए।

जज शेखर यादव के खिलाफ होगा एक्शन? कहां तक पहुंची महाभियोग मामले में MPs के सिग्नेचर की जांच

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर यादव इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं। पिछले उन्होंने विश्व हिंदू परिषद के एक कार्यक्रम में विवादित बयान दिया था, जिसको लेकर वो मुश्किल में फंस गए हैं। कार्यक्रम में उनकी कही गई बातों के चलते राज्यसभा के 54 सांसदों ने जस्टिस यादव के खिलाफ महाभियोग का नोटिस दिया था। विपक्ष का महाभियोग प्रस्ताव संसद के प्रोसीजर नियम के तहत अटका हुआ है। ये मामला अभी भी राज्यसभा के सभापति के समक्ष लंबित पड़ा हुआ है। यह प्रक्रिया तकनीकी अड़चनों में फंसी हुई है।

जस्टिस यादव के खिलाफ राज्यसभा में 54 सांसदों ने महाभियोग का नोटिस दिया था, इसे मंजूर करने के लिए 50 सांसदों के हस्ताक्षर सही होने चाहिए थे, लेकिन 44 सांसदों के हस्ताक्षरों का ही वेरिफिकेशन हुआ है। राज्यसभा सचिवालय ने मार्च और मई में सांसदों को ईमेल और फोन करके उनके हस्ताक्षर की पुष्टि करने को कहा था। बताया जा रहा है कि अभी तक सिर्फ 44 सांसदों ने ही अपने हस्ताक्षर की पुष्टि की है। बाकी 10 सांसदों में से 6 ने भी कहा है कि उन्होंने ने भी नोटिस पर साइन किए हैं । ऐसे में अभी तक 50 सांसदों ने महाभियोग पर साइन करने की बात कही है।

55 सांसदों के हस्ताक्षरों की जांच

न्यायाधीशों के विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव के लिए राज्यसभा सचिवालय के तय प्रोटोकॉल के मुताबिक इस प्रस्ताव के साथ जमा 55 सांसदों के हस्ताक्षरों की विस्तृत जांच शुरू गई है। यह जांच तब शुरू हुई जब किसी सदस्य के हस्ताक्षर दो बार दर्ज होने की शिकायत मिली। संबंधित सांसद ने राज्यसभा सचिवालय के अधिकारियों के समक्ष दोबारा हस्ताक्षर करने से इनकार किया है।

इस्राइल से लौटे 594 भारतीय नागरिक, MEA बोला- विदेश में भारतीयों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता

नई दिल्ली। इस्राइल-ईरान तनाव के बीच ऑपरेशन सिंधू के तहत भारतीय नागरिकों की वतन वापसी का सिलसिला लगातार जारी है। मंगलवार को इस्राइल से 549 भारतीय नागरिकों को लेकर वायुसेना के तीन विमान नई दिल्ली पहुंचे। पहले विमान में 161, दूसरे विमान में 165 और तीसरे विमान में 268 भारतीय नागरिक लाए गए। भारतीय नागरिकों का एयरपोर्ट पर केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री (एमओएस) पाबित्रा मार्गेरीटा और केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. एल मुरुगन ने स्वागत किया। इसे लेकर विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेश में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ट्वीट किया कि ऑपरेशन सिंधु का इस्राइल चरण 23 जून 2025 को शुरू हुआ। इसमें जॉर्डन से 161 भारतीय नागरिकों का पहला जत्था स्वदेश लाया गया। इसके बाद वायुसेना का सी-17 विमान इस्राइल से 165 यात्रियों को वापस लेकर आया। वहीं मंगलवार दोपहर को तीसरा विमान 268 नागरिकों को लेकर भारत आया। इससे पहले मशहद से नई दिल्ली पहुंचे एक विशेष विमान से 292 भारतीय नागरिकों को ईरान से निकाला गया। अब तक 2295 भारतीय नागरिकों को ईरान से स्वदेश लाया जा चुका है।

भारतीय नागरिकों ने जताई खुशी

इस्राइल से लौटे बुजुर्ग दंपती त्रियंबक कोली ने कहा कि मुझे इस्राइल में डेढ़ महीना हो गया था। वहां अचानक स्थिति बिगड़ गई। हम दिन के किसी भी समय विस्फोटों की आवाज सुन सकते थे। हम डर गए थे। अब हम वापस आ गए हैं। हम प्रधानमंत्री मोदी के बहुत आभारी हैं। हम अपने बेटे के नवजात शिशु से मिलने वहां गए थे। वे इस्राइल में ही रहेंगे। वे वापस नहीं आएंगे। हम वापस आ गए हैं। स्थिति अभी भी बिगड़ रही है। उनकी पत्नी कहती हैं कि हमने आसमान में बम (मिसाइल) देखे। उनमें से छह हमारे सिर के ऊपर से गुजरे। जब हमने यह देखा तो हम छिप गए थे। हम प्रधानमंत्री मोदी के बहुत आभारी हैं।

सरकार का धन्यवाद

एक भारतीय ने कहा कि हमें वापस घर लाने के लिए हम सरकार को धन्यवाद देते हैं। हमें भारतीय दूतावास से बहुत मदद मिली। मैं भारत सरकार और भारतीय वायु सेना का आभारी हूं। भारतीय दूतावास और भारत सरकार ने निकासी प्रक्रिया के दौरान हमारी बहुत मदद की। जब हम इस्राइल में अपने घर से निकले, तब भी हमें सायरन बजते हुए सुनाई दे रहे थे।

एक दिन में भर देंगे 3400 गड्ढे दिल्ली की सड़कों को लेकर मंत्री परवेश वर्मा का बड़ा दावा

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने 24 और 25 जून को बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को दिल्ली के अंदर मानसून आने की संभावना जताई जा रही है। दिल्ली में मानसून अब कभी भी दस्तक दे सकता है। उससे पहले दिल्ली में गड्ढे भरने का काम किया जा रहा है। दिल्ली सरकार में मंत्री परवेश वर्मा ने बताया कि हमारा कमिटमेंट दिल्ली के लोगों को अच्छी सड़कें देने का है, क्योंकि अभी मानसून कभी भी आ सकता है, इसलिए पीडब्ल्यूडी सारे इंजीनियर्स और स्टाफ के साथ में और फुल फोर्स के साथ में हमने एक ही दिन में 3400 गड्ढे भरने का बेड़ा उठाया है।

मंत्री परवेश वर्मा ने आगे जानकारी देते हुए कहा, 'सुबह 11 बजे तक हमने 50 प्रतिशत से ज़्यादा गड्ढे भर दिए हैं, शाम तक सारे गड्ढे भर दिए जाएंगे, हमारी सरकार की जो पारदर्शिता है, जो कमिटमेंट है, कि हमें दिल्ली को अच्छी और वर्ल्ड क्लास सड़कें देनी हैं। पहले दिल्ली में अच्छी सड़कें होती थीं। पहले जब दिल्ली से बाहर जाते थे तो पता होता था कि दिल्ली खत्म हो रही है और दिल्ली में आते हैं तो पता होता है कि दिल्ली शुरु हो गई है, दिल्ली में इतने गड्ढे हैं। '

'गड्ढों की वजह से बहुत सारे एक्सीडेंट होते हैं'

उन्होंने कहा कि पीछे की सरकारों ने कोई काम नहीं किया। दिल्ली में अच्छी सड़कें दें ताकि कोई भी एक्सीडेंट न हो। गड्ढों की वजह से बहुत सारे एक्सीडेंट होते हैं, बहुत सारे लोगों की मौतें होती हैं तो वो भी न हो ये हमारा कमिटमेंट हैं। परवेश वर्मा ने खुद मौके पर पहुंचकर इस काम का जायजा लिया। मौसम विभाग ने मंगलवार और बुधवार को बारिश की उम्मीद जताई है। सोमवार को कुछ बादल छाए रहे, ऐसे में आस लगाई जा रही है कि मानसून जल्दी ही दिल्ली में दस्तक दे सकता है और दिल्लीवासियों को गर्मी से राहत मिल सकती है।

कथावाचक की पिटाई : अखिलेश यादव बोले- भागवत कथा सबके लिए है जब सुन सकते हैं तो सुना क्यों नहीं सकते

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि कुछ वर्चस्ववादी लोग कथावाचन में अपना एकाधिकार बनाए रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इटावा में कथावाचक की पिटाई कांड इन्हीं प्रभुत्वशाली लोगों की वजह से ही हुआ है। अगर सभी लोग भागवत कथा सुन सकते हैं तो सुना क्यों नहीं सकते हैं? अगर सच्चे कृष्ण भक्तों को भागवत कथा कहने से रोका जाएगा तो कोई ये अपमान क्यों सहेगा?

उन्होंने कहा कि प्रभुत्ववादी लोग ये घोषित करें कि पीडीए द्वारा दिया गया दान और चढ़ावा कभी स्वीकार नहीं करेंगे। अखिलेश यादव मंगलवार को सपा मुख्यालय में कथावाचक की पिटाई मामले पर बोल रहे थे। बता दें कि इटावा में कथावाचक की जाति पूछने के बाद पिटाई, बाल काटने और महिला के पैर पर नाक रगड़वाने का वीडियो वायरल होने के बाद राजनीति तेज हो गई है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार हृदयहीन और अलोकतांत्रिक है। अगर निष्पक्ष कार्रवाई करने लगे तो बहुत सी घटनाएं नहीं होंगी। अगर बाबा साहब के संविधान और प्रस्तावना के तहत ही फैसला लिया जाए तो गरीब और गांव में रहने वाले लोगों का और अल्पसंख्यकों का सम्मान होने लगे। भाजपा सरकार में पीडीए वर्ग के लोगों को न्याय से वंचित किया जा रहा है। वर्चस्ववादी ताकतें पीडीए का अपमान कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि अगर पीडीए का कोई व्यक्ति मंदिर चला जाए तो ये उसे गंगाजल से धोते हैं। वर्चस्ववादी लोगों को सरकार का आशीर्वाद है जिसके कारण वो लोग ऐसा कर रहे हैं। समाज में समानता और सम्मान की लड़ाई जारी रहेगी।

कथावाचकों का किया सम्मान

वहीं, सपा कार्यालय में पीड़ित कथावाचकों को अखिलेश यादव ने सम्मानित किया। उन्होंने 21-21 हजार रुपये की धनराशि कथावाचकों को दी। वहीं, 51-51 हजार रुपये देने की घोषणा समाजवादी पार्टी की ओर से की गई।

पांच आरोपियों पर बार-बार गैंग्सटर लगाने पर डीएम-एसएसपी हाई कोर्ट में तलब

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मुजफ्फरनगर। गोहत्या एवं तस्करी के आरोपित पर बार बार गैंग्सटर एक्ट का मुकदमा दर्ज किए जाने पर हाई कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी की है। मामले में डीएम, एसएसपी और खालापार थाना प्रभारी को व्यक्तिगत रूप से तलब किया है। इन्हें सात जुलाई को हाई कोर्ट में अपना पक्ष रखना होगा।

खालापार थाना प्रभारी निरीक्षक महावीर सिंह चौहान द्वारा 28 मई को इकरार उर्फ कालिया कुरैशी पुत्र मोहम्मद उमर निवासी गहराबाग थाना खालापार, शादाब उर्फ चीड़ा पुत्र कय्यूम, मन्शाद उर्फ सोना पुत्र साबिर, रिजवान उर्फ रिज्जू पुत्र यामीन, निसार पुत्र शरीफ निवासीगण लीकड़ा पट्टी थाना खालापार के विरुद्ध गैंग्सटर एक्ट में अभियोग पंजीकृत किया था।

विसार और रिजवान को कोर्ट से जमानत मिल चुकी है, जबकि तीन आरोपित जेल में बंद हैं। सोमवार को मन्शाद द्वारा जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया है। जिन्होंने पुराने मामलों के आधार पर बार-बार गैंग्सटर एक्ट लगाकर उसे जेल में बनाए रखा। हाईकोर्ट ने माना कि यह केवल एसएचओ की मनमानी नहीं बल्कि एसएसपी और जिलाधिकारी की भी घोर लापरवाही को दर्शाता है, जिन्हें संयुक्त बैठक करते समय नियम पर विवेकपूर्ण विचार करना चाहिए था।

हाई कोर्ट ने कहा कि आरोपित के खिलाफ पहले ही 2015 में गैंग्सटर एक्ट के तहत मामला दर्ज था, इसके बावजूद 2023, 2024 और 2025 में पुराने मामलों के आधार पर फिर से यही कानून लागू कर दिया गया। यह दोहरावपूर्ण कार्रवाई दुर्भावनापूर्ण प्रतीत होती है।

हाई कोर्ट ने खालापार थाना प्रभारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी को सात जुलाई को अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से पेश होने के निर्देश दिए हैं। इन सभी को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर यह स्पष्ट करना होगा कि उनके द्वारा कानून का ऐसा निर्लज्ज दुरुपयोग क्यों किया गया। उधर, एसएसपी संजय कुमार वर्मा का कहना है कि बार बार अपराध किए जाने के कारण पुलिस कार्रवाई करती है। मन्शाद ने पूर्व में गैंग्सटर एक्ट का मुकदमा दर्ज होने के बाद फिर से वारदातों को अंजाम दिया, इसी कारण यह कार्रवाई हुई। हाई कोर्ट में जवाब दाखिल किया जाएगा।

नवागत वित्त एवं लेखाधिकारी से मिला प्राथमिक शिक्षक संघ

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षकसंघ का प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष दिनेश उपाध्याय के नेतृत्व में नवागत वित्त एवं लेखा अधिकारी विपिन द्विवेदी से शिष्टाचार मुलाकात किया तथा उनसे विभाग के कार्यों के निष्पादन के विषय में विस्तृत चर्चा किया । वित्त एवं लेखाधिकारी ने संगठन को आश्वस्त किया की सभी कार्य समय से त्वरित गति से निस्तारित किए जाएंगे। आगे उन्होंने बताया कि मेरे पास तीन विभाग के कार्यभार और हैं फिर भी मैं पूरा प्रयास करके शिक्षकों के देयताओं को और वेतन 1तारीख को देने का पूरा प्रयास करूंगा। इसके लिए अपने कार्यालय के कर्मचारियों को निर्देश दे दिया गया है । अंतरजनपदीय पारस्परिक स्थानांतरण से गैर जनपद से आए शिक्षकों के संबंध में वार्ता में उन्होंने बताया कि जिनकी एलपीसी आ गई है और संशोधन खंड शिक्षा अधिकारियों द्वारा भेजे जाएंगे उनके वेतन लगाए जाएंगे। गैर जनपद गए शिक्षकों की एलपीसी भेजने का कार्य किया जा रहा है । बीएसए कार्यालय से अभी हाल में फाइलें एवं निर्देश प्राप्त हुए हैं । प्रतिनिधिमंडल में जिलामंत्री राम आशीष मौर्य जिला उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष दूबेपुर रमेश तिवारी जनपदीय कोषाध्यक्ष एवं मंत्री पीपी कमैचा डॉ० विनय प्रजापति संयुक्त मंत्री एवं मंत्री कुड़वार देश राज मंत्री दुबेपुर फिरोज अहमद संगठन मंत्री श्रीपाल यादव जिला प्रवक्ता धर्मेंद्र तिवारी संगठन मंत्री सोहन कुमार संघर्ष समिति के पदाधिकारी दिनेश शुक्ला सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हापुड़ में करोड़ों का खेल उजागर, DM ने लगाया था 35 लाख रुपये का जुर्माना

आर्यावर्त संवाददाता

हापुड़। हापुड़ में स्टांप चोरी करने के आरोपितों से डीएम ने 35 लाख 57 हजार रुपये वसूलने के आदेश जनवरी में दिए थे। इसके साथ ही डीएम ने भूमाफिया के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण को भी निर्देशित किया था।

बताया गया कि आरोपितों ने सौ रुपये के स्टांप पर अपंजीकृत इकरारनामा कराकर 15 करोड़ से ज्यादा के बैनामें करा दिए थे। वहीं, इसमें एक करोड़ रुपया पेशगी भी प्राप्त की थी। जिले में ऐसे दर्जनों मामले हैं। आरोपितों ने डीएम के आदेश के खिलाफ कमिश्नर के यहां पर अपील की थी। अब कमिश्नर मेरठ ने आरोपितों की अपील को निरस्त कर दिया है। ऐसे में उनको जुर्माने की धनराशि जमा करानी होगी।

पूर्व जिला शासकीय अधिवक्ता कृष्णकांत गुप्ता ने बताया कि कुछ साल पहले उन्होंने क्षेत्र में अवैध रुप से अर्जित धन को निवेश करने के लिए अवैध कालोनी विकसित कर बड़ा आयकर व स्टांपकर चोरी करने वालों की शिकायत मुख्यमंत्री से की थी। जिसमें उन्होंने सुशांत बंसल व उनके साथी प्रेमचंद के द्वारा करीब सौ करोड़ की संपत्ति को गलत तरीके से अर्जित करने का मामला उठाया था।

इसके चलते मुख्यमंत्री के उपसचिव द्वारा प्रमुख सचिव राजस्व को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया था। इस मामले की जांच सहायक महानिरीक्षक निबंधक हापुड़ द्वारा की गई थी। जिसमें करोड़ों के बैनामों पर लाखों रुपये की स्टांप चोरी करना पाया गया।

इस मामले को लेकर जिलाधिकारी के समक्ष वाद चलाया गया था। जिसमें जनवरी-25 में तत्कालीन जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा ने सुनवाई कर आरोपितों पर जुर्माना लगाने का निर्णय सुनाया था। जिलाधिकारी ने सुशांत बंसल व उनके साथी प्रेमचंद पर 16 लाख 45 हजार सात सौ रुपये के स्टांप चोरी तथा पचास हजार रुपये अर्थदंड के वसूलने के आदेश किए थे। इसके साथ ही स्टांप चोरी की धनराशि पर 22 अक्टूबर 2018 से जनवरी -25 तक डेढ़ प्रतिशत के ब्याज दर से 18 लाख साठ हजार रुपये भी वसूलने के आदेश किए थे। इस निर्णय से जिले के भूमाफियाओं में हड़कंप मचा गया था।

> कमिश्नर का आदेश हमको प्राप्त हो गया है। उसके आधार पर आरोपितों को नोटिस जारी करके धनराशि जमा कराने को कहा जाएगा। यदि वह रुपया जमा नहीं कराते हैं तो इसको राजस्व बकाया की तरह से वसूल किया जाएगा। - संदीप कुमार- एडीएम

इस मामले में आरोपितों ने कमिश्नर न्यायालय में अपील की थी। उन्होंने इस मामले को स्टांप चोरी का नहीं होने का तर्क दिया था। इस मामले में फरवरी से कमिश्नर न्यायालय में सुनवाई चल रही थी। अब कमिश्नर मेरठ हृषिकेश भास्कर यशोद ने इस मामले में अपना निर्णय सुना दिया है। उन्होंने मामले को सीधे-सीधे स्टांप चोरी का मानते हुए डीएम के आदेश को बरकरार रखा है। वहीं आरोपितों की अपील को खारिज कर दिया है। अब आरोपितों को जुर्माना व स्टांप चोरी की धनराशि जमा करानी होगी। इस मामले में जनवरी से अब जून तक का ब्याज भी जोड़ा जा सकता है।

पचास छात्रों से कम वाले विद्यालय होंगे बंद, विरोध मे सौंपा ज्ञापन

सुल्तानपुर। मंगलवार को पूर्व प्रदेश सचिव रणजीत सिंह सलूजा कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां राज्यपाल को सम्बोधित मांग पत्र सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा है। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्राइमरी स्कूलों के संबंध में एक नया आदेश जारी किया है। इस आदेश के अनुसार, जिन प्राइमरी स्कूलों में छात्र संख्या 50 से कम है, उन्हें बंद कर दूसरे विद्यालयों से जोड़ा जाएगा। पूर्व प्रदेश सचिव रणजीत सिंह सलूजा ने इस निर्णय के विरोध में राज्यपाल को पत्र लिखा है। उन्होंने बताया कि अकेले सुलतानपुर जिले में 440 प्राइमरी स्कूल इस आदेश से प्रभावित होंगे। उनका कहना है कि यह निर्णय गरीब, पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के बच्चों की शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। सलूजा ने पत्र में उल्लेख किया कि वर्तमान में गरीब परिवार अपने बच्चों को नजदीकी स्कूलों में भेज पाते हैं। स्कूलों के बंद होने से दूरी बढ़ेगी और कई अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेज पाएंगे।

कथावाचक के सिर मुड़वाने और नाक रकड़वाने पर राजनीति तेज, समर्थन में उतरी सपा और यादव महासभा

आर्यावर्त संवाददाता

इटावा। बकेवर इलाके के दांदरपुर गांव में कथावाचक, उनके सहायक और एक अन्य साथी को गांव के लोगों ने दूसरी जाति के होने पर बंधक बनाकर पीटने, बाल मुड़वा देने और पैरों से नाक रगड़वाने जैसे अमानवीय कृत्य करने किए जाने के विरोध में सोमवार को समाजवादी पार्टी के साथ यादव महासभा ने घटना का विरोध दर्ज कराते हुए शर्मनाक और संविधान विरोधी बताया।

यहीं नहीं घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर पीड़ितों संग एसएसपी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपकर आरोपितों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग की।

एसएसपी से मिलने पहुंचे सपाई

घटना को लेकर एसएसपी से मिलने पहुंचे सपा प्रतिनिधि मंडल में समाजवादी पार्टी के सांसद जितेन्द्र दोहरे, भरथना विधायक राघवेन्द्र गौतम, जिलाध्यक्ष प्रदीप शाक्य बबलू, प्रदेश सचिव गोपाल यादव समेत बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ताओं ने कचहरी स्थित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर दांदरपुरा में भागवताचार्य मुकुट मणि सिंह यादव, उनके सहायक संत सिंह यादव के ब्राह्मण परिवार के यहां भागवत कथा करने आने को लेकर गांव के लोगों द्वारा रविवार रात उनके साथ किए गए बरते गए बर्ताव को बताया।

सपा सांसद जितेन्द्र दोहरे ने कही ये बात

सपा सांसद जितेन्द्र दोहरे ने कहा कि कि कथावाचक के पिछड़ा वर्ग के होने पर जिस तरह से उन्हें बंधक बनाकर मारपीट करते हुए उनके बाल काटे गए, महिलाओं और पुरुषों के पैरों के आगे नाक रंगड़वाई गई, यहां तक कि पेशाब उनके ऊपर छिड़ककर शुद्ध होने की बात कही गई। यह कृत्य देश के संविधान के भी खिलाफ है, ऐसे लोगों पर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि पुलिस ने आरोपितों पर कड़ी कार्रवाई नहीं की तो समाजवादी पार्टी सड़क से लेकर विधानसभा और संसद तक विरोध प्रदर्शन करेंगी।

भरथना विधायक राघवेन्द्र गौतम ने की निंदा

भरथना विधायक राघवेन्द्र गौतम ने कहा कि देश को आजाद हुए 75 वर्ष हो गए लेकिन इस घटना को देखकर लगता है कि आज भी देश में दलित और पिछड़ों का शोषण हो रहा है जिसका जीता जागता उदाहरण दांदरपुरा की घटना है। उन्होंने कहा कि दांदरपुरा में जाति पूछकर पिछड़ा वर्ग समाज के कथावाचक से बर्बरता की गई। इस दौरान प्रदीप शाक्य, डुल्ले राजपूत समेत अन्य सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यादव महासभा ने जताया विरोध

वहीं अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के जिलाध्यक्ष शिवराज सिंह यादव एवं संगठन के पदाधिकारियों ने दांदरपुर घटना पर आक्रोश व्यक्त करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया और एसएसपी को ज्ञापन सौंपकर दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की, जिससे की ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। ज्ञापन देने वालों में संरक्षक रामनाथ सिंह, प्रमुख महासचिव डॉक्टर रामनरेश यादव, शिक्षक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉक्टर बृजेश यादव, योगेश यादव, संरक्षक जगदीश सिंह यादव आदि मौजूद रहे।

नकली नोटों की छपाई में पुराना खिलाड़ी है डॉक्टर नफीस, अमरोहा में चार साल पहले पकड़ा था

आर्यावर्त संवाददाता

अमरोहा। शाहजहांपुर की चौक कोतवाली पुलिस द्वारा 4.5 लाख रुपये के नकली नोट समेत गिरफ्तार किया गया कुंदरकी निवासी डॉक्टर नफीस काफी समय से नकली नोटों का धंधा कर रहा था। उसे अमरोहा पुलिस भी तीन साथियों के साथ नकली नोटों के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। बाद में सभी के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की गई थी। सोमवार को शाहजहांपुर जनपद की चौक कोतवाली पुलिस ने कार सवार तीन लोगों को 4.5 लाख रुपये के नकली नोट के साथ गिरफ्तार किया है। इनमें मुख्य आरोपित जनपद मुरादाबाद के कुंदरकी निवासी डा. नफीस भी शामिल है।

मुरादाबाद मंडल में उसका नेटवर्क

दरअसल डा. नफीस नकली नोटों का कारोबार काफी समय से कर रहा है। मुरादाबाद मंडल में उसका नेटवर्क है। पूर्व में वह अमरोहा में भी रह कर नकली नोट बनाने का धंधा करता था। यहां नगर कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला अहमद नगर में उसका मकान था। तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक रविंद्र सिंह ने 7 फरवरी 2021 को सात लाख रुपये के नकली नोट के साथ डा. नफीस को गिरफ्तार किया था। उसके मुहल्ला अहमदनगर का कामिल व अरविंद तथा कुंदरकी के गांव सीकरी मिलक निवासी नजारुल को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा था। आरोपितों के पास से 500 रुपये के सात लाख रुपये के नकली नोट, फर्जी चेक, दो प्रिंटर, लैपटाप व नोट छापने के अन्य उपकरण भी बरामद हुए थे।

> नकली नोट प्रकरण में डा. नफीस व उसके तीन साथियों पर नगर कोतवाली पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की गई थी। अमरोहा पुलिस ने फरवरी 2021 में चारों को जेल भेजा था।
> पंकज तोमर, प्रभारी निरीक्षक

इस मामले में अमरोहा पुलिस न सिर्फ चारों आरोपितों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई कर चुकी है, बल्कि डा, नफीस का अहमदनगर स्थित मकान को भी सील किया गया था।

एक दर्जन गांवो को जोड़ने वाला संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील अंतर्गत एक दर्जन गांवों को जोड़ने वाला संपर्क मार्ग शासन प्रशासन की उपेक्षा का शिकार बना हुआ है ग्रामीणो ने इसकी शिकायत करके तत्काल मार्ग निर्माण करवाए जाने की मांग की है।

बता दे कि तहसील क्षेत्र के चार नंबर चौराहा (डोभियारा) हलियापुर कूरेभार मार्ग से एक संपर्क मार्ग तहसील मुख्यालय को जोड़ता है उक्त मार्ग पर तीन वर्ष पूर्व डामरीकरण करवाया था मार्ग का मरम्मतीकरण न किए जाने से जल भराव हो गया है। ग्रामीणो ने बताया कि यह मार्ग लगभग एक दर्जन गांवो को जोड़ता है और बल्दीराय तहसील मुख्यालय तक आने जाने तक एक मात्र मार्ग है निर्माण न होने से राहगीर प्रायः चोट हिल हो रहे है बरसात में तो यह मार्ग जल भराव के कारण टापू बन जाता है। क्षेत्र के अभिषेक शुक्ला आदर्श तिवारी आशीश मनोज चन्द्रभान आदि दर्जनो ग्रामीणो ने विभाग के उच्चाधिकारियो से अविलंव मार्ग के मरम्मती करण करवाए जाने की मांग की है।

कालीन उद्योग को 500 करोड़ का झटका, इंडिया कार्पेट एक्सपो-2025 पर खतरे के बादल

आर्यावर्त संवाददाता

भदोही। ईरान व इजरायल के बीच चल रहे युद्ध में अमेरिका के हमलावर होने से पूरी दुनिया में व्यवसायिक रूप से अस्थिरता के हालत बन गए हैं। खाड़ी देशों के साथ अमेरिका से लेकर यूरोप तक उहापोह की स्थिति है। युद्ध के चलते एक तरफ पूरी दुनिया से व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हो गई हैं। इसके चलते भारतीय कालीनों का लगभग 500 करोड़ का व्यापार ठप हो गया है।

वहीं, 18 सितंबर में भदोही में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय कालीन मेले इंडिया कारपेट एक्सपो-2025 पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। इसे लेकर निर्यातकों की चिंता बढ गई है। हालांकि, मेला आयोजक कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) के पदाधिकारियों का कहना है कि आयोजन में अभी काफी समय है।

ईरान-इजरायल के बीच भारतीय कालीनों का खासा व्यापार होता है। इस युद्ध ने व्यापार पर ब्रेक लगा दिया है लेकिन अमेरिका के हमलावर होने से व्यापार की स्थिति और भी खराब हो गई है। क्योंकि भारतीय कालीनों का अमेरिका सबसे बड़ा खरीदार देश है। युद्ध के चलते शिपमेंट होल्ड होने का खतरा खड़ा हो गया है। ऐसा हुआ तो कालीन व्यवसाय को तगड़ा झटका लगेगा।

पहले से बंद है खाड़ी देशों का निर्यात

इजरायल, लेबनान, इजिप्ट, यूनाइटेड अरब अमीरात, कतर सहित खाड़ी के अन्य देशों से होने वाला कालीनों का निर्यात लगभग ठप हो चुका है। पुराने आर्डर के माल जहां गोदामों में डंप हैं तो वहीं नया आर्डर नहीं मिल रहा है। युद्ध के चलते समुद्री मार्ग प्रभावित हुआ तो शिपमेंट पूरी तरह ठप हो जाएगा। देखा जाए तो वर्तमान समय करीब 500 करोड़ के कालीन उत्पाद शिपमेंट की प्रक्रिया में हैं।

कालीन उद्योग पर सीधा प्रभाव

रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमास युद्ध से कालीन व्यवसाय पहले से प्रभावित है। इजरायल-ईरान के बीच चल रहे युद्ध में अमेरिका के शामिल होने से स्थिति बिगड़ गई है। इससे अमेरिकी व यूरोपीय बाजार प्रभावित होने की आशंका उत्पन्न हो गई है। युद्ध से अमेरिका की इकोनामिक प्रभावित होगी जो निर्यातकों के लिए शुभ संकेत नहीं है। इसका प्रभाव सितंबर में आयोजित होने वाले इंडिया कारपेट एक्सपो पर भी पड़ेगा। क्योंकि हालात को देखते हुए जल्द ही स्थिति सामान्य होने की उम्मीद नहीं है। जय गुप्त, सदस्य प्रशासनिक समिति (सीईपीसी)

30 को होने वाली है बोर्ड की बैठक

अमेरिका के हमलावर होने से हालात विस्फोटक हो गए हैं। हालांकि, इंडिया कारपेट एक्सपो में अभी ढाई माह से अधिक का समय है। युद्ध विराम के लिए विश्व समुदाय प्रयासरत है। उम्मीद है कि जल्द ही इसमें सफलता मिलेगी। फिलहाल कालीन मेले के आयोजन पर कोई प्रभाव पड़ने की उम्मीद नहीं है। हालात पर परिषद की नजर है। 30 जून को होने वाली बोर्ड की बैठक में मेला आयोजन के संबंध में विचार विमर्श किया जाएगा।

दहेज में नहीं मिली कार तो बरात लेकर नहीं आया दूल्हा, उदासी भरे माहौल में हुआ दूसरी बेटी का निकाह

आर्यावर्त संवाददाता

शामली। दहेज में कार नहीं मिलने पर एक युवती की शादी टूट गई। दिनभर बरात का इंतजार किया गया, लेकिन दूल्हा नहीं आया। युवती के पिता ने थाने में तहरीर दी है।

आरोप है कि दूल्हा पक्ष को सारा सामान दिया था। तीन लाख रुपये भी दिए थे, लेकिन उन्होंने एक रात पहले दहेज में कार की मांग की। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति की दो बेटियों की रविवार को बरात आनी थी। एक की बरात बागपत तो दूसरी कैराना से आनी थी। शनिवार रात कैराना निवासी युवक ने व्यक्ति को फोन कर दहेज में कार की मांग की। इस पर उन्होंने कहा कि कार तो नहीं दे पाएंगे। आरोप है कि उसने बरात लाने से इनकार कर दिया।

लड़की के माता-पिता ने रातभर युवक के घर जाकर बातचीत की, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। रविवार को दिनभर बरात आने का इंतजार किया गया, वहीं दूसरी बेटी का निकाह उदासी भरे माहौल में हो गया। सोमवार को पिता अपनी बेटी और पत्नी के साथ कोतवाली पहुंचा और दहेज की मांग करने की शिकायत की। पुलिस ने प्रकरण की जांच शुरू कर दी है।

युवती ने बताया कि घर में पिछले कई महीनों से शादी की तैयारी चल रही थी। पिता ने लड़के को उसका घर बनाने के लिए तीन लाख रुपये भी दिए थे। दहेज का सारा सामान भी उनके घर भेज दिया था, लेकिन अब उन्होंने कार मांग की। उसके पिता श्रमिक हैं, और उनका कार देने का बजट नहीं है, इसलिए शादी नहीं हो सकी।

युवती ने पुलिस से आरोपित पक्ष के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। थाना प्रभारी वीरेंद्र कसाना ने बताया कि तहरीर मिली है। पुलिस को जांच के लिए भेजा गया है। जांच के बाद आरोपित पक्ष के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गुजरात और पंजाब उपचुनाव में आम आदमी पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर उत्तर प्रदेश में जोरदार जश्न

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गुजरात की विसावदर और पंजाब की लुधियाना पश्चिम सीटों पर आम आदमी पार्टी की शानदार जीत का असर उत्तर प्रदेश में भी देखने को मिला, जहां पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रदेश प्रभारी सांसद संजय सिंह के आह्वान पर राज्यभर में जश्न मनाया। लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय सहित सभी जिला कार्यालयों और प्रमुख चौराहों पर कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ जीत की खुशी जाहिर की, मिठाइयां बांटी और इस विजय को पार्टी की राष्ट्रीय मजबूती के रूप में देखा।लखनऊ कार्यालय पर आयोजित उत्सव में भारी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी जुटे। इस अवसर पर संजय सिंह ने कहा कि यह जीत सिर्फ दो सीटों की नहीं, बल्कि पूरे देश में आम आदमी पार्टी के विचार और काम की राजनीति की स्वीकार्यता का संकेत है। उन्होंने कहा कि "जब हम कोई चुनाव हारते हैं, तो लोग कहते हैं कि आम आदमी पार्टी खत्म हो गई, लेकिन गुजरात के मोदी गढ़ में गोपाल इटालिया की 17,000 और पंजाब में 10,500 से अधिक मतों की जीत ने यह साबित कर दिया कि अब आम आदमी ही देश का असली विकल्प है।"संजय सिंह ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य का 'केजरीवाल मॉडल' अब पूरे देश की जनता को आकर्षित कर रहा है। पंजाब की जनता ने संजीव अरोड़ा को विजयी बनाकर उस काम पर मोहर लगाई है जो आम आदमी पार्टी ने वहां किया है। उन्होंने इस जनादेश को भाजपा की विफलताओं के खिलाफ जनता का जनमत करार दिया।प्रदेश सह-प्रभारी और पूर्व विधायक दिलीप पांडेय ने इसे पार्टी के खिलाफ खड़ी शंकाओं का करारा जवाब बताया। उन्होंने कहा, "यह जनादेश बता रहा है कि दिल्ली से निकली आम आदमी की राजनीतिक क्रांति की चमक आज भी कायम है।" भाजपा पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि तानाशाही, झूठ और धोखे की राजनीति को अब देश के लोग नकार रहे हैं और यह सिलसिला अब उत्तर प्रदेश में भी तेजी से आगे बढ़ेगा।पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने कहा कि दिल्ली चुनाव के बाद जो सवाल उठाए जा रहे थे, उन सबका जवाब इस जीत ने दे दिया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाते हुए कहा, "घबराओ मत मेरे दोस्त, एक समय ऐसा भी आएगा, घड़ी दूसरे की होगी और वक्त अपना बताएगा।"कार्यकर्ताओं ने इस जीत को उत्तर प्रदेश में पार्टी के विस्तार की प्रेरणा बताया और आगामी पंचायत व विधानसभा चुनावों में पार्टी को मजबूत विकल्प के रूप में खड़ा करने का संकल्प लिया। उनका कहना था कि जनता अब बीजेपी और कांग्रेस की अवसरवादी राजनीति से ऊब चुकी है और आम आदमी पार्टी में उसे नई उम्मीद दिख रही है।कार्यक्रम में प्रदेश सह-प्रभारी दिलीप पांडेय, निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह, पूर्व प्रदेश महासचिव दिनेश सिंह पटेल, मुख्य प्रवक्ता वंशराज दुबे, अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल, महिला विंग प्रदेश अध्यक्षा नीलम यादव, लखनऊ जिला अध्यक्ष इरम रिज़वी, वरिष्ठ नेता प्रिंस सोनी, सोशल मीडिया प्रभारी विपिन पाठक, नदीम जायसी, सरभजीत सिंह मक्कड़, बृजकुमारी, वैभव प्रकाश आर्य, अतुल सिंह, प्रियंका श्रीवास्तव, अभिषेक सिंह, नूर सिद्दीकी, ज्ञान सिंह कुशवाहा, अंकित परिहार, इमरान संबलशाही, मोहम्मद मेहंदी, पंकज यादव, प्रीतपाल सिंह सलूजा, नुसरत जहाँ, अनिल जैन सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुरादाबाद बस स्टेशन पर ओआरएस व जिंक कार्नर की स्थापना

- डायरिया के प्रति जनजागरूकता में बनेगा मददगार
- पीएसआई इंडिया व केनव्यू अभियान में कर रहे सहयोग

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। जनपद में आगामी 31 जुलाई तक चलने वाले डायरिया रोको अभियान के अंतर्गत बस स्टेशन परिसर में स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में ओआरएस एवं जिंक कार्नर की स्थापना की गयी है, जिसका उद्घाटन मंगलवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह एवं जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. एस. के. बेलवाल ने किया।

इस मौके पर डॉ. बेलवाल ने कहा कि भीषण गर्मी और बारिश के दौरान डायरिया के मामले बढ़ जाते हैं। डायरिया का सही इलाज ओआरएस का घोल और जिंक के टेबलेट हैं, जिन्हें उम्र के अनुसार निश्चित अवधि तक लेना बहुत जरूरी होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए जिले में 16 जून से 31 जुलाई तक डायरिया रोको अभियान चलाया जा रहा है। डायरिया रोको अभियान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू भी सहयोग कर रहे हैं। अभियान की इस साल की थीम- "डायरिया की रोकथाम, सफाई और ओआरएस से रखें अपना ध्यान" तय की गयी है। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों में डायरिया की रोकथाम, ओआरएस व जिंक के उपयोग को प्रोत्साहन और जनसामान्य में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है।

डॉ. बेलवाल ने कहा कि अभियान के प्रभावी संचालन एवं अधिक से अधिक जनसामान्य तक स्वास्थ्य सन्देश पहुंचाने के लिए प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर ओआरएस व जिंक कार्नर स्थापित करने का निर्देश प्राप्त हुआ है। इसी को ध्यान में रखते हुए बस स्टेशन परिसर के प्रमुख स्थान पर यह कार्नर स्थापित किया गया है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इस बारे में जागरूक हो सकें। उन्होंने कहा कि बच्चे को दिन भर में तीन या तीन से अधिक बार दस्त हो तो समझना चाहिए कि बच्चा डायरिया से ग्रसित है और ऐसे में उसको तत्काल ओआरएस का घोल देना चाहिए ताकि शरीर में पानी की कमी न होने पाए, साथ ही निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर सम्पर्क करना चाहिए। इस मौके पर एसएम रोडवेज अनुराग यादव, स्वास्थ्य विभाग से डॉ. प्रमोद कुमार, पीएसआई इंडिया से डॉ. गीतिका, मोहम्मद रिजवान एवं ममता सैनी और नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

नाबालिग बहनों को बहला-फुसलाकर भगाने वाला आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार थाना क्षेत्र में दो नाबालिग बहनों के अपहरण के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। "मिशन शक्ति – नारी सुरक्षा अभियान" के तहत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बहला-फुसलाकर बालिकाओं को भगाने वाले आरोपी दिलराज को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दोनों लड़कियों को सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को विधिक कार्यवाही के बाद न्यायालय में पेश कर दिया है।यह मामला 4 जून 2025 का है जब थाना गोमतीनगर विस्तार क्षेत्र निवासी एक महिला ने पुलिस को सूचना दी कि उसकी दो नाबालिग बेटियां—16 और 13 वर्ष की उम्र की—घर से अचानक लापता हो गईं हैं। इस सूचना पर थाना गोमतीनगर विस्तार में तत्काल अपहरण की धारा 137(2) बीएनएस के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।पुलिस आयुक्त लखनऊ के निर्देशन और संयुक्त पुलिस आयुक्त, अपर पुलिस उपायुक्त व सहायक पुलिस आयुक्त गोमतीनगर के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार अवस्थी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान तकनीकी साक्ष्य, गुप्त सूचना और लगातार खोजबीन के आधार पर 24 जून को उपनिरीक्षक अजय कुमार शुक्ला, उपनिरीक्षक आयुष यादव, कांस्टेबल रविन्द्र कुमार और महिला कांस्टेबल रचना की टीम ने अभियुक्त को ग्वारी पुल के नीचे से गिरफ्तार किया।

आदर्श पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन के द्वारा आयोजित भंडारे में सैकड़ों लोगों ने प्रसाद चखा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। आदर्श पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा गोसाईगंज लखनऊ में मंगलवार को आयोजित भंडारे में पहुंचकर सैकड़ो लोगो ने ग्रहण किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय सांसद आर के चौधरी, विशिष्ट अतिथि विधायक मोहनलालगंज अमरेश रावत, नगर पंचायत अध्यक्ष गोसाईंगंज निखिल मिश्रा जिला पंचायत पूर्व अध्यक्ष विजय बहादुर यादव , ब्लाक प्रमुख गोसाईंगंज विनय वर्मा सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

आदर्श पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह चौहान ने जर्नलिस्ट प्रोटेक्शन एसोसिएशन के अध्यक्ष विवेक प्रताप सिंह व कोषाध्यक्ष नरसिंह नारायण पांडेय का अंग वस्त्र प्रदान कर स्वागत किया। इसके साथ ही क्षेत्रीय पत्रकार संतोष शर्मा , इरफ़ान अब्बासी मोनू वर्मा, इन्द्रेश यादव, अस्वनी यादव, अशोक सिंह, संरोज सिंह , वरिष्ठ पत्रकार राम दशरथ यादव अनुराग सिह डॉ0 राजपाल वर्मा, अनुपम मिश्रा, शिवा मिश्रा ज्ञान अनिहोत्री विनय तिवारी मंसूर अहमद, राजीव दीक्षित, फुरकान राईन के साथ मोहनलालगंज पत्रकार एसोसिएशन व पीजीआई प्रेस क्लब के सदस्य समेत कई पत्रकार शामिल हुए।

पूर्वांचल के धार्मिक पर्यटन को नई उड़ान, 10 आस्था स्थलों के लिए 6.60 करोड़ की परियोजनाएं स्वीकृत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने पूर्वांचल क्षेत्र के धार्मिक, सांस्कृतिक और पौराणिक महत्व के स्थलों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। बलिया, आजमगढ़, मऊ और महराजगंज जनपदों के 10 प्रमुख धार्मिक स्थलों के पर्यटन विकास कार्यों के लिए 6 करोड़ 60 लाख रुपए से अधिक की धनराशि स्वीकृत की गई है। यह पहल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन की दिशा में भी अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत इन परियोजनाओं का उद्देश्य धार्मिक स्थलों के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करना और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

लखनऊ के महानगर में सौतेले पिता ने नशे के लिए पैसे न मिलने पर युवती की चाकू मारकर हत्या की

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के महानगर थाना क्षेत्र में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां नशे की लत में डूबे एक सौतेले पिता ने विवाद के दौरान अपनी 19 वर्षीय सौतेली बेटी की बेरहमी से चाकू मारकर हत्या कर दी। वारदात के कुछ ही घंटों बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और हत्या में प्रयुक्त आला कत्ल चाकू भी बरामद कर लिया गया है।घटना सोमवार 23 जून की है। पीड़िता की मां रेखा, जो सी-7ए विज्ञानपुरी, महानगर लखनऊ में रहती हैं, ने पुलिस को बताया कि उन्होंने लगभग चार वर्ष पूर्व विकास चंद्र पांडे नामक व्यक्ति से हिन्दू रीति-रिवाज से विवाह किया था। यह उनकी दूसरी शादी थी। रेखा की पहली शादी से उनकी एक पुत्री सिमरन थी, जिसकी उम्र लगभग 19 वर्ष थी। रेखा के अनुसार, आरोपी विकास चंद्र पांडे नशे का आदी है और अक्सर नशे के लिए पैसे मांगते हुए घर में झगड़ा और मारपीट करता था। सिमरन भी आए दिन सौतेले पिता के दुर्व्यवहार का विरोध करती थी।वारदात के दिन भी विकास ने नशे के लिए रेखा से पैसे मांगे और विवाद करने लगा। तभी सिमरन मां को बचाने के लिए बीच-बचाव में आई, जिस पर गुस्से में बेकाबू विकास ने घर में रखे धारदार चाकू से उस पर हमला कर दिया। रेखा ने जब बचाने की कोशिश की तो आरोपी ने उन्हें भी चाकू मार दिया। सिमरन गंभीर रूप से घायल होकर कमरे में गिर पड़ी। आनन-फानन में उसे भाऊराव देवरस अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रेखा को भी चोटें आई हैं, जिनका इलाज जारी है।पुलिस को सूचना मिलते ही थाना महानगर की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और छानबीन शुरू की।

लखनऊ के कैसरबाग में लोगों से गाली-गलौज कर रहे युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ। शहर के कैसरबाग थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था भंग करने और राहगीरों के साथ गाली-गलौज कर मारपीट की धमकी देने वाले एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान 19 वर्षीय जैन तनवीर पुत्र मोहम्मद तनवीर निवासी 116/63, घसियारी मंडी, जम्बूरखाना, थाना कैसरबाग, लखनऊ के रूप में हुई है।पुलिस कमिश्नर लखनऊ अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देश पर पश्चिमी जोन में चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलवार को थाना कैसरबाग पुलिस गश्त पर थी, तभी सूचना मिली कि नजरबाग बड़ी पार्क वाली गली में एक युवक लगातार आने-जाने वाले लोगों को रोककर गाली-गलौज कर रहा है और मारपीट की धमकी दे रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने युवक को काफी समझाने की कोशिश की, लेकिन वह और अधिक उत्तेजित होकर राहगीरों को परेशान करता रहा।

धार्मिक स्थलों को नष्ट कर रही है भाजपा सरकार, वृंदावन के तीर्थ पुरोहितों के साथ कांग्रेस खड़ी : अजय राय

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। भाजपा सरकार पर हिंदू धर्म और आस्था से जुड़े प्राचीन स्थलों को व्यवस्थित ढंग से नष्ट करने का आरोप लगाते हुए उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा 'हिंदुत्व' के नाम पर सत्ता में आई थी लेकिन उसी के नाम पर हिंदू आस्था के केंद्रों के साथ खिलवाड़ कर रही है।अजय राय ने कहा कि "दुनिया के तमाम प्राचीन शहरों ने अपने मूल स्वरूप को सहेज कर रखा है—चाहे वह मिस्र हो या वेनिस—लेकिन भाजपा सरकार पुराने धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों को तोड़ने पर आमादा है।" उन्होंने कहा कि पहले काशी के मूल स्वरूप को तहस-नहस किया गया, सैकड़ों शिवलिंग तोड़े गए, मंदिरों और वटवृक्ष को उजाड़ा गया। फिर अधूरे राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की गई और अब दोबारा प्राण प्रतिष्ठा की जा रही है, जो धार्मिक परंपराओं के खिलाफ है।उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार की नजर अब मां विंध्यवासिनी मंदिर के बाद वृंदावन की गलियों पर है। "भाजपा सरकार आस्था के स्थानों को पर्यटन केंद्र और पिकनिक स्पॉट में तब्दील कर रही है, जो सीधे-सीधे हमारी संस्कृति पर हमला है।"प्रेस वार्ता में वृंदावन के जाने-माने तीर्थ पुरोहित और चारों वेदों के ज्ञाता सोहनलाल मिश्र भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि "जो अत्याचार औरंगजेब नहीं कर सका, वो आज योगी सरकार कर रही है। बांके बिहारी मंदिर से जुड़े 285 परिवारों के घर और छोटे मंदिर तोड़े जा रहे हैं। प्रशासन और पुलिस धमका रही है।"सोहनलाल मिश्र ने सवाल उठाया कि "अगर हम सरकार को चार गुना कीमत देने को तैयार हैं, तो क्या योगी जी गोरक्ष पीठ हमें दे देंगे?"वृंदावन से आए सामाजिक कार्यकर्ता दीपक पराशर ने कहा कि सरकार वास्तव में व्यवस्था बनाना नहीं चाहती, बल्कि वृंदावन का मूल स्वरूप बिगाड़ना चाहती है। "गालियों वाली गलियां ही वृंदावन की पहचान हैं। मंदिर के पास 1000 मीटर से ज्यादा खाली ज़मीन है, उसी में व्यवस्था बनाई जा सकती है। लेकिन सरकार सुगम दर्शन, पीने का पानी और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं दे पा रही और 150 मंदिर तोड़ने की तैयारी कर रही है।"प्रेस वार्ता में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के चेयरमैन डॉ. सी.पी. राय, वाइस चेयरमैन मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, प्रदेश प्रवक्ता सचिन रावत और डॉ. सुधा मिश्रा भी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।कांग्रेस ने ऐलान किया है कि वह वृंदावन के तीर्थ पुरोहितों और आम श्रद्धालुओं के साथ खड़ी है और आस्था से जुड़े स्थलों की रक्षा के लिए सड़कों पर उतरने से भी पीछे नहीं हटेगी।

ऑनलाइन हाउस टैक्स भुगतान पर 10% छूट पाने का अंतिम मौका, 30 जून तक एकमुश्त भुगतान कर लें फायदा : महापौर सुषमा खर्कवाल ने की नागरिकों से अपील

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर निगम द्वारा शहरवासियों को हाउस टैक्स पर 10 प्रतिशत की विशेष छूट देने की घोषणा के बाद अब इस योजना का लाभ उठाने के लिए सिर्फ छह दिन शेष रह गए हैं। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि जिन नागरिकों ने 30 जून 2025 तक अपने भवन का यूजर चार्ज समेत पूरा हाउस टैक्स ऑनलाइन माध्यम से जमा कर दिया होगा, उन्हीं को यह छूट प्राप्त होगी। इस तिथि के बाद केवल हाउस टैक्स जमा करने पर छूट नहीं दी जाएगी।महापौर सुषमा खर्कवाल ने सभी लखनऊवासियों से अपील की है कि वे समय रहते नगर निगम की आधिकारिक वेबसाइट lmc.up.nic.in पर जाकर डिजिटल माध्यम से एकमुश्त भुगतान करें और छूट का लाभ प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि यह योजना केवल कर संग्रहण का माध्यम नहीं, बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिक सुविधा को लेकर एक सशक्त कदम है।महापौर ने खुद अपने निजी आवास का यूजर चार्ज ऑनलाइन जमा कर इस योजना की शुरुआत की थी। उन्होंने बताया कि डिजिटल माध्यम से हाउस टैक्स जमा करने से न केवल सरकारी प्रक्रिया में पारदर्शिता आती है, बल्कि करदाताओं को घर बैठे सुरक्षित और सुविधाजनक भुगतान की सुविधा भी मिलती है।उन्होंने कहा कि नगर निगम यह भी सुनिश्चित कर रहा है कि ऑनलाइन भुगतान के बाद कोई भी व्यक्ति नागरिकों से कूड़ा उठाने या किसी अन्य सेवा के नाम पर अतिरिक्त पैसे की मांग न कर सके। यदि ऐसा होता है, तो नागरिक महापौर कार्यालय के हेल्पलाइन नंबर 6389200005 पर सीधे शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

रेलवे ट्रैक पर दुर्घटना का कारण बनने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, चोरी की सीढ़ी और होल्डिंग स्ट्रक्चर बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। थाना गोमतीनगर और पूर्वी जोन की सर्विलांस एवं क्राइम टीम ने रेलवे ट्रैक पर बड़ा हादसा होते-होते टालने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों से रेलवे ट्रैक पर टकराई लोहे की पीली सीढ़ी बरामद की गई है। इससे पहले पुलिस टीम एक जंग लगे होल्डिंग स्ट्रक्चर को भी बरामद कर चुकी है।मामला 22 जून 2025 का है, जब ट्रेन संख्या 12572 मल्हौर-लखनऊ डाउन लाइन के पास लोहे के भारी एंगल से टकरा गई। गनीमत रही कि कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई। इस घटना की सूचना राजीव श्रीवास्तव, एसएसई/पी-वे/बाराबंकी द्वारा थाना गोमतीनगर को दी गई, जिसके आधार पर रेलवे अधिनियम की धारा 151/153 और बीएनएस की धारा 303(2)/317(2)/324(4) के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई।उच्चाधिकारियों के निर्देश पर बनाई गई टीम ने मुखबिर की सूचना पर 24 जून को विनीत खंड सब्जी मंडी पुल के नीचे से दो अभियुक्तों—जनार्दन (19) और जंगबहादुर पांडे (24)—को गिरफ्तार किया। जनार्दन मूल रूप से सीतामढ़ी, बिहार और जंगबहादुर बलरामपुर के निवासी हैं, जो फिलहाल लखनऊ के खरगापुर क्रॉसिंग पर झुग्गियों में रह रहे थे।पूछताछ में दोनों आरोपियों ने कबूल किया कि 22 जून की शाम वे अपने एक अन्य साथी राजबाबू (जो अब भी फरार है) के साथ शहीद पथ किनारे से एक जंग लगा होल्डिंग स्ट्रक्चर और लोहे की पीली सीढ़ी चुराकर ले जा रहे थे। उसी दौरान जब वे रेलवे ट्रैक पार कर रहे थे, तो ट्रेन की आवाज सुनकर डर गए और चोरी का सामान वहीं पटरी पर छोड़कर भाग गए। ट्रेन ट्रैक पर पड़ी लोहे की वस्तु से टकरा गई, जिससे घटना की जानकारी रेलवे और पुलिस को हुई। दोनों आरोपियों ने बताया कि वे चोरी का सामान बेचकर पैसा आपस में बांटते थे।पुलिस ने इन अभियुक्तों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया। फरार अभियुक्त राजबाबू की तलाश जारी है। साथ ही, गिरफ्तार अभियुक्तों के अन्य आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटाई जा रही है।गिरफ्तारी व छानबीन में शामिल टीम में प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश चंद्र तिवारी, उपनिरीक्षक सूर्यसेन, अमरनाथ चौरसिया, हेमंत कुमार के साथ-साथ जीआरपी, सीआईडी, आरपीएफ और सर्विलांस टीम के अधिकारी व कांस्टेबल शामिल रहे।रेलवे की सम्पत्तियों की चोरी और पटरियों पर लापरवाही से जुड़ी यह घटना बहुत बड़ा हादसा बन सकती थी। लखनऊ पुलिस की सजगता और तत्परता ने न सिर्फ एक गंभीर अपराध का अनावरण किया बल्कि संभावित जानमाल की क्षति को भी टाल दिया।

लखनऊ में नाबालिगों ने युवक को मारी धक्का, कमर में घुसा सरिया ; गाजीपुर पुलिस ने पांच बाल अपचारियों को संरक्षण में लिया

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गाजीपुर थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां मामूली विवाद में पांच नाबालिगों ने एक युवक पर हमला कर उसे निर्माणाधीन नाले में धक्का दे दिया, जिससे उसकी कमर में सरिया घुस गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांचों नामजद बाल अपचारियों को संरक्षण में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।घटना 22 जून को भूतनाथ क्षेत्र की पंचवटी मार्केट के पास हुई। फैजुल्लागंज कच्ची ढाल थाना मड़ियांव निवासी सचिन ने गाजीपुर थाने में दी गई शिकायत में बताया कि वह भूतनाथ स्थित कपड़े की एक दुकान में काम करता है। घटना के दिन करीब 3 बजे वह अपने बुआ के लड़के शिवम कनौजिया के साथ दुकान पर मौजूद था, तभी हिमांशु नामक लड़के सहित 5 से 7 अन्य लड़के वहां आए और शिवम के साथ गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर उसे धमकाते हुए पीटना शुरू कर दिया।हंगामे के दौरान शिवम को पास ही निर्माणाधीन नाले में धक्का दे दिया गया, जिससे वह गिर पड़ा और उसकी कमर में लोहे की सरिया घुस गई। वह वहीं बेहोश हो गया। उसे तत्काल इलाज के लिए लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां वह अभी भी भर्ती है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा संख्या 219/2025 धारा 191(2)/115(2)/110/352/351(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया। गाजीपुर थाना पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अभिसूचना के आधार पर जांच करते हुए पांच नाबालिग आरोपियों की पहचान की, जिनकी उम्र 16 से 17 वर्ष के बीच है। 24 जून को भूतनाथ मार्केट से इन सभी बाल अपचारियों को पुलिस संरक्षण में लिया गया।

इमरजेंसी के पचास साल : मीडिया या तानाशाही की आंखों पर बंधी पट्टी

वर्तमान सत्ता ने भी मीडिया को अपने खूंटे से बांधने के लिए साम-दाम-दंड-भेद, सभी हथियारों का खुलकर इस्तेमाल किया है। इस सब के सामने इमरजेंसी का सेंसरशिप का राज तो बच्चों का खेल नजर आता है। इमरजेंसी के प्रतिबंध ज्यादातर नकारात्मक थे, जो सरकार की आलोचनाओं को छानकर रोकने की कोशिश करते थे। मीडिया की वर्तमान घेरेबंदी आक्रामक है, जो मीडिया को सत्तापक्ष की ओर से हमले का हथियार बनाती है।

इंदिरा गांधी के जिस इमरजेंसी निजाम के अब पचास साल हो रहे हैं, उसकी एक प्रमुख निशानी बेशक उन कुख्यात इक्कीस महीनों में प्रेस का दमन और उसकी स्वतंत्रता का छीना जाना थी। खासतौर पर इमरजेंसी के शुरूआती दौर की याद करते ही हमें अखबारों और पत्रिकाओं के जगह-जगह से काले रंग से पुते हुए पन्ने याद आते हैं, जिनमें प्रकाश्य सामग्री के अनेक हिस्सों पर सेंसर तंत्र की कैंची चली थी। स्वतंत्र भारत के इतिहास में संभवतः पहली बार और अब तक अंतिम बार भी, बाकायदा एक सेंसरशिप तंत्र खड़ा किया गया था, जिसका काम हर छपने वाले शब्द को छपने से पहले जांचना था, ताकि तमाम प्रकाशित सामग्री का शासन की इच्छा के अनुकूल होना सुनिश्चित किया जा सके। याद रहे कि यह वह जमाना था जब जन माध्यम या मास मीडिया का दायरा, पत्र-पत्रिकाओं तक ही सीमित था। रेडियो जरूर तब तक एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका था, लेकिन वह पूरी तरह से शासन के नियंत्रण में था और एकदम शुरूआती दौर का टीवी भी। सिनेमा जरूर एक और स्वतंत्र माध्यम था और सभी जानते हैं कि इमरजेंसी के दौरान उसे भी नियंत्रित करने की पूरी कोशिश की गयी थी। यह सब, खासतौर पर अपने तौर-तरीके में, देश के लिए तब तक पूरी तरह से अपरिचित ही था।

बहरहाल, यहां तक हमने जो तस्वीर दिखाई, वह प्रेस के साथ इमरजेंसी की तानाशाहीपूर्ण सत्ता के सलूक की तस्वीर है। लेकिन, यह सोचना सही नहीं होगा कि इमरजेंसी के दौर में प्रेस जो कर रही थी, उसकी यह प्रतिनिधि तस्वीर थी। बेशक, इमरजेंसी में प्रेस की स्वतंत्रता पर भीषण हमला हुआ था। इमरजेंसी के दौरान बेशक, पत्र-पत्रिकाओं में क्या छप सकता है, उसे बाकायदा सेंसर किया जा रहा था। लेकिन, बाहर से सेंसरशिप थोपे जाने की जरूरत अपने आप में इसका सबूत थी कि इमरजेंसी के दौरान प्रेस की कहानी, सत्ता के इस दमन की कहानी ही नहीं थी। वास्तव में इमरजेंसी के शुरूआती दौर की चाक्षुष स्मृति में काले रंग से रंगे हुए पन्नों की जो छवि सहज ही उभरती है, इस कहानी के सिक्के के दूसरे पहलू को सामने लाने वाली कहानी है, प्रतिरोध की कहानी। सेंसरशिप द्वारा काटे गए शब्दों/ वाक्यों/ पैराग्राफों की जगह खाली छोड़ा जाना या काले रंग से रंगकर प्रस्तुत किए जाना, प्रतिरोध की एक शानदार कहानी कहता था। इसके और प्रखर हिस्से के तौर पर अनेक अखबारों तथा पत्रिकाओं ने, शुरू के दिनों में पूरे-पूरे पन्ने खाली या काले कर के छोड़ दिए थे।

बेशक, कोई यह नहीं कह रहा है कि इमरजेंसी निजाम पर समूचे प्रेस की एक जैसी प्रतिक्रिया रही थी। हर्गिज नहीं। इस प्रतिक्रिया में भी भारतीय प्रेस की शानदार विविधता दिखाई देती थी। और यह दावा तो और भी नहीं किया जा सकता है कि शुरूआत में इमरजेंसी निजाम पर जिस तरह की प्रतिक्रिया प्रेस में देखने को मिली थी, इमरजेंसी के पूरे दौर में वैसी ही प्रतिक्रिया बनी रही थी। जाहिर है कि शुरूआती दौर में इमरजेंसी निजाम से और सबसे बढ़कर सेंसरशिप की उसकी व्यवस्थाओं से जिस तरह का 'शॉक' लगा था, उसका प्रभाव समय के साथ घटा था और एक हद तक इमरजेंसी का भी सामान्यीकरण हो गया था या उसे नया नॉर्मल मानने की प्रवृत्ति बढ़ रही थी। फिर भी, इतना तो निश्चयपूर्वक कहा ही जा सकता है कि आमतौर पर प्रेस का रुख इमरजेंसी के खिलाफ था। आमतौर पर इमरजेंसी और उसकी व्यवस्थाओं को एक असामान्य स्थिति की तरह ही लिया जा रहा था, जिससे उबरने का बेसब्री से इंतजार था।

1977 के आरंभ में हुए चुनाव में इमरजेंसी और उसे लगाने वाली इंदिरा गांधी की जबर्दस्त हार में, प्रेस के इस आम तौर पर 'विरोधी' रुख ने कितनी मदद की होगी, यह तो कहना मुश्किल है। लेकिन, इतना तय है कि इंदिरा गांधी निजाम के इस हार को दूर-दूर तक भांप ही नहीं पाने के पीछे जरूर, जनता की आवाज शासन तक पहुंचाने के साधन के रूप में, प्रेस के अनुपस्थित ही होने की शायद सबसे बड़ी भूमिका रही थी। इंदिरा गांधी की इमरजेंसी उसी सिंड्रोम की शिकार थी, जिसकी शिकार सामान्य रूप से तानाशाहीपूर्ण व्यवस्थाएं होती हैं—जनता की मर्जी से असंबंध या उसके प्रति अंधता की शिकार। श्रीमती गांधी चुनाव में जीत की उम्मीद लगाए बैठी रहीं, जबकि जनता इस हद तक उन्हें ठुकराने का मन बनाए बैठी थी कि जब चुनाव के नतीजे आए तो कांग्रेस पूरे उत्तरी भारत में लोकसभा की सिर्फ दो सीटों पर सिमट कर रह गयी।

कितनी सहूलियत देगा 'फास्टैग' का नया नियम?

गौरतलब है कि पिछले वर्ष भी मंत्री नितिन गडकरी ने एक ऐलान किया था कि 60 किमी अंतराल में आने वाले टोल से वसूली नहीं की जाएगी। लेकिन अफसोस वह योजना सिरे नहीं चढ़ पाई। कम दूरी वाले किसी टोल को बंद नहीं किया गया

डॉ. रमेश ठाकुर

'टोल टैक्स' पर आए दिन घटित होती नाना प्रकार की सामान्य-असामान्य घटनाओं को ध्यान में रखते हुए आखिरकार केंद्र सरकार ने एक दफे फिर पुरानी टोल्स नीतियों में बदलाव करते हुए नए फास्टैग नियम लागू करने का ऐलान किया है। बदले नियमों को केंद्र सरकार ने 'सुपरफास्ट फास्टैग' बताया है। हालांकि, ये नवीनतम योजना दो महीने बाद यानी आगामी 15 अगस्त से देशभर में अमल आएगी। इसके संबंध में मोटी-मोटी सूचनाएं विभागीय मंत्री नितिन गडकरी ने बीते गुरुवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के जरिए देशवासियों से साक्षा की। नई नियमों को लेकर लोगों के जेहन में सिर्फ दो सवाल प्रमुखता से उठ रहे हैं। अव्वल, क्या अब टोल टैक्स पर लगने वाली लंबी-लंबी कतारें कम होंगी। वहीं दूसरा, क्या इससे वाहन चालकों को थोड़ी बहुत रियारत मिल पाएगी?

गौरतलब है कि पिछले वर्ष भी मंत्री नितिन गडकरी ने एक ऐलान किया था कि 60 किमी अंतराल में आने वाले टोल से वसूली नहीं की जाएगी। लेकिन अफसोस वह योजना सिरे नहीं चढ़ पाई। कम दूरी वाले किसी टोल को बंद नहीं किया गया, आज भी टोल्स पर वसूली बदस्तूर जारी है। ज्यादातर पुराने टोल की दूरी 60 किमी से काफी कम हैं। 30-40 किमी की दूरी में ही बने हैं। विगत सालों पहले सरकार ने टोल से नगद वसूली के नियमों को बदलकर जब से फास्टैग योजना को लागू किया था, तब से उसकी आमदनी में चार चांद लग गए। दरअसल, फास्टैग एक इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह प्रणाली है, जिसे एनएचएआई लीड करती है।

फास्टैग से टोल वसूली का पैसा धीरे सरकार के खजाने में जाता है। फास्टैग रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन तकनीक से उपयोग होती है, जिससे ग्राहक टोल भुगतान सीधे प्रीपेड या बचत खाते से आसानी से करते हैं। वित्तीय वर्ष-2024 में भारत भर में राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल संग्रह राजस्व का मूल्य 648 बिलियन भारतीय रुपए से अधिक रहा। यही कारण है कि सरकार इस सब्जेक्ट को इतनी गंभीरता से लेकर चल रही है। सरकार का मकसद है कि नए नियमों का फायदा ग्राहकों को भी हो और उनकी आमदनी में भी इजाफा हो?

केंद्र सरकार राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम-1956 और शुल्क नियम-2008 के तहत टोल प्लाजा के माध्यम से शुल्क वसूलती है। नियमों में बदलाव पहले भी कई मर्तबा किए गए। पर, बीते एकाध दशक से टोल वसूली में बेहताशा इजाफा हुआ। जिसे कम करने का आमजन का भारी दबाव सरकार पर है। आम लोगों को मिलने वाली किफायत की जहां तक बात है, तो नई पॉलिसी फिलहाल निजी वाहनों पर लागू होगी। तीन हजार रुपए का वैध वार्षिक पास बनवाने के बाद ग्राहक साल भर की अवधि में 200 टोल टैक्स क्रॉस कर सकेंगे। ये पास मौजूदा फास्टैग में ही संचालित होगा, नया बनवाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

हालांकि, इसमें पेंच एक फंसाया गया है। योजना सिर्फ भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और विभिन्न राष्ट्रय राजमार्गों में प्रयोग होगी। राज्य स्तरीय मार्गों-सड़कों, निकाय और नगर निगम की अधिकृत सड़कों को इससे नहीं जोड़ा गया है। योजना से ग्राहकों को जो फायदा होगा, वह ये है कि अभी तक अमूमन प्रत्येक एनएचएआई टोल टैक्स पर भुगतान करने की कीमत 50 रु से लेकर 200 रुपए के बीच होती है। लेकिन 3 हजारी वैध पास के बाद मात्र 15 रूपए ही प्रत्येक टोल पर वसूले जाएंगे। ये फायदा निजी वाहन चालकों को सीधे तौर होगा।

योजना की एक अच्छी बात ये है। चालक अगर साल में 200 टोल्स को क्रॉस नहीं करता है, तो उसकी वैधता अगले वर्ष भी जारी रहेगी। राष्ट्रीय राजमार्गों पर रोजाना और नियमित चलने वालों के लिए 'सुपरफास्ट फास्टैग' योजना निश्चित रूप से कारगर साबित होने वाली है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय पर बीते कुछ वर्षों से टोल प्लाजा पर ट्रैफिक को कम करने का भारी प्रेसर पड़ा है। प्रत्येक दिन कहीं न कहीं मारपीट की घटनाएं रिपोर्ट होती रही हैं। इन सभी से छुटकारा पाने के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस योजना को लागू किया। भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों का विशाल नेटवर्क बिछ चुका है। वर्ष-2014 तक राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई 91,287 किलोमीटर थी, जो अब बढ़कर 1,46,195 किलोमीटर हो चुकी है।

अगले 10 सालों में राजमार्गों की लंबाई डेढ़ गुनी तक बढ़ने की संभावनाएं हैं और उसमें नए टोल भी जुड़ेंगे। इसलिए सरकार के लिए ये क्षेत्र कमाई का बड़ा जरिया बन गया है। सरकार को नेशनल हाईवे से प्रति वर्ष पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत चलने वाले टोल बूथों पर टैक्स के तौर पर 1.44 लाख करोड़ रुपये की कमाई हो रही है। इस आंकड़े को पिछले वर्ष का खुद नितिन गडकरी ने संसद में प्रस्तुत किया था। देश में सड़कां का जिस युद्तस्तर पर जाल बिछ रहा है, उससे प्रतीत होता है भविष्य में यह क्षेत्र सरकार की कमाई का सबसे बड़ा जरिया बनेगा।

आंकड़ों के मुताबिक हिंदुस्तान में करीब 1,063 टोल प्लाजा हैं जिनमें 457 टोल प्लाजा का निर्माण वर्ष 2025 में किया गया। टोल नीति केंद्र सरकार की वह इकाई है जो सबसे बड़ी कमाउ है। नई 'सुपरफास्ट फास्टैग' नीति से भी उसे ढेरों उम्मीदें हैं। टोल पॉलिसी को केंद्र सरकार राजस्व वसूली का सबसे बड़ा जनरेटर मानती ही है, तभी इसमें नित नए नियमों को जोड़ती चली जा रही है। मात्र दिल्ली-मुंबई मार्ग पर एनएच-48 के वडोदरा-भरूच खंड पर स्थित टोल प्लाजा ने पिछले 5 पांच सालों में 400 करोड़ रुपए से ज्यादा कमाकर दिए हैं।

सहकार ग्रुप लिमिटेड (एसजीएल) भारत में सड़कों के टोल संग्रह में सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। टोल से कमाई के आंकड़ों पर अगर नजर डालें, तो 2018-19 में 25,154.76 करोड़ रुपए, 2019-20 में 27,637.64 करोड़ रुपए, 2020-21 में 27,923.80 करोड़ रुपए, 2021-22 में 33,907.72 करोड़ रुपए और 2022-23 में 48,028.22 करोड़ रुपए अर्जित किए। कमाई बढ़े अच्छी बात है, पर सड़कों की सुरक्षाओं को लेकर वाहन चालकों के प्रति जो चिंताएं हैं वह भी कम होनी चाहिए। सरकार को सुविधाओं पर भी ध्यान देना होगा। निर्बाध और सुगम सड़क यात्राओं की इच्छाएं सभी में हैं।

अजब-गजब

मिट्टी के अंदर दबे थे सफेद-सफेद अंडे, खुदाई में निकले बाहर, मां को देखते ही चीख पड़े लोग!

बारिश का मौसम आते ही सांप निकलने के मामलों में बढ़त आ गई है। कई जगह सांप देखे जा रहे हैं। दरअसल, मानसून में बारिश का पानी सांप के बिल में भर जाता है। इस वजह से सांप अपने बिल से निकल कर इधर-उधर छिपने की कोशिश में लग जाते हैं। सांप सुरक्षित स्थान ढूंढने के चक्कर में इंसानों के करीब आ जाते है। इस वजह से स्नेक बाइट के मामले भी मॉनसून में काफी बढ़ जाते हैं। जौनपुर के एक स्नेक कैचर ने नागिन के रेस्क्यू का वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। ये नागिन प्रेग्ननेंट थी और अंडे देने के बाद गायब हो गई थी।

यह घटना जौनपुर के जलालपुर क्षेत्र की है, जहां स्थानीय लोगों ने एक घर के पास कोबरा के अंडों का घोंसला देखा। अंडों के आसपास मां नागिन नहीं थी, जिससे लोग हैरान रह गए। डर के मारे किसी ने मुरारी लाल को बुलाया, जो जौनपुर में सांपों को बचाने के लिए मशहूर है। मुरारी ने मौके पर पहुंचकर पहले अंडों की सुरक्षा सुनिश्चित की। वीडियो में दिखा कि अंडे मिट्टी के नीचे दबे हुए थे और मुरारी ने बड़ी सावधानी से उन्हें बाहर निकाला। लेकिन असली चुनौती थी मां नागिन को ढूंढना, जो अंडे देने के बाद कहीं चली गई थी।

इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में मुरारी का हौसला और ममता भरा अंदाज देखने लायक है। वीडियो में नागिन अपने अंडों के पास पहुंचते ही फन फैलाकर उनकी रक्षा करने की कोशिश करती दिख रही है। मुरारी ने बड़ी सावधानी से नागिन और उसके अंडों को एक सुरक्षित स्थान पर ट्रांसफर किया, ताकि वे प्राकृतिक माहौल में रह सकें। इस वीडियो को अब तक 1.9 मिलियन से ज्यादा लोग देख चुके हैं और लोग मुरारी की बहादुरी की तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया, "मां का प्यार हर प्राणी में एक जैसा होता है!" वहीं, एक अन्य ने लिखा, "मुरारी भाई, आपका हौसला दिल जीत लेता है।"

मुरारी लाल का नाम जौनपुर में स्नेक रेस्क्यू के लिए जाना जाता है, लेकिन हाल ही में एक कोबरा ने उन्हें काट लिया था, जिसके बाद उनकी हालत नाजुक हो गई थी। फिर भी, उनके जज्बे में कोई कमी नहीं आई। इस घटना ने मॉनसून में सांपों से जुड़ी सावधानियों को फिर से चर्चा में ला दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि मॉनसून में सांपों को परेशान करने से बचना चाहिए। अगर घर या आसपास सांप दिखे तो तुरंत स्नेक हेल्पलाइन या प्रोफेशनल स्नेक कैचर को बुलाना चाहिए। दिल्ली में वाइल्डलाइफ एसओएस जैसी संस्थाएं 24 घंटे स्नेक रेस्क्यू के लिए उपलब्ध है।

ब्लॉग

मोदी और ट्रंप की दोस्ती का सुनियोजित मिथक क्लस्टर बम की तरह फटा

के रवींद्रन

ट्रंप का स्नेह हमेशा के लिए नहीं, बल्कि किराये पर उपलब्ध है। जिस व्यक्ति ने कभी मोदी को 'महान व्यक्ति' और 'भारत का मित्र' कहा था, उसी व्यक्ति ने अपने राष्ट्रपति काल के दौरान, भारत से किसी अनुरोध के बिना कश्मीर विवाद में मध्यस्थता की पेशकश भी की थी। उन्होंने बार-बार यह स्पष्ट किया कि किसी भी विदेशी नेता या सिद्धांत के प्रति वफादारी व्यक्तिगत लाभ और रणनीतिक लचीलेपन से दूसरे स्थान पर आती है।

पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कथित रूप से मजबूत दोस्ती के बारे में किसी भी तरह के भ्रम को तोड़ दिया गया- एक ऐसा रिश्ता जिसे वर्षों से वैश्विक मंच पर भारत के उदय के प्रतीक के रूप में पेश किया जा रहा था।

हाउडी मोदी रैलियों और उत्साही सार्वजनिक इशारों के माध्यम से सावधानीपूर्वक कोरियोग्राफ की गयी रणनीतिक दोस्ती का मिथक आखिरकार तब खत्म हो गया जब ट्रंप ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की मेजबानी की और उसके बाद एक चौंकाने वाला बयान दिया। ट्रंप ने एक ऐसे लहजे में घोषणा की जिसमें भारत और पाकिस्तान के पास 'बहुत ही चतुर नेता' हैं और उन्होंने दोनों देशों के बीच युद्ध विराम बनाये रखने का श्रेय उन्हें दिया। सतही तौर पर, यह एक कूटनीतिक शिष्टता की तरह लग रहा था। लेकिन पंक्तियों और निहितार्थों के बीच पढ़ने पर यह नई दिल्ली के लिए एक झटका है, खासकर मोदी के लिए, जिन्होंने एक विशेष ट्रंप-मोदी मित्रता बंधन की छवि बनाने में महत्वपूर्ण राजनीतिक पूंजी का निवेश किया था।

इस घोषणा ने उत्तरों से अधिक प्रश्न छोड़े। जब ट्रंप ने पाकिस्तान के दूसरे 'चतुर' नेता का उल्लेख किया तो उनका आशय वास्तव में किससे था? क्या यह नाममात्र के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ थे, जिनका प्रभाव व्यापक रूप से सैन्य प्रतिष्ठान के बाद दूसरे दर्जे का माना जाता है? या यह जनरल असीम मुनीर थे - वही व्यक्ति जिसकी ट्रंप ने अभी-अभी मेजबानी की थी? दोनों ही व्याख्याएं मोदी के लिए घातक हैं। अगर ट्रंप मुनीर की तुलना मोदी से करते हैं, तो वे एक प्रतिद्वंद्वी देश के सैन्य अधिकारी को भारत के निर्वाचित नेता के समान पद पर बिठा देते हैं। अगर यह शहबाज शरीफ़ हैं, तो वे एक ऐसे व्यक्ति का समर्थन कर रहे हैं जिसे पाकिस्तान की सेना ने राजनीतिक ढांचे में खड़ा किया है, जिसे मोदी अक्सर अस्थिर और समझौतावादी कहकर उनका उपहास करते रहे हैं। किसी भी मामले में, मोदी न केवल पाकिस्तान के नेतृत्व की तुलना में बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनके कथित कद के मामले में भी कमतर नजर आते हैं।

यह सिर्फ एक कूटनीतिक तिरस्कार नहीं है - यह एक राजनीतिक तमाशा है। सालों से, मोदी के समर्थक ट्रंप के साथ उनके संबंधों को भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव के सुबूत के रूप में पेश करते रहे हैं। टेक्सास और अहमदाबाद में जयकारे लगाती भीड़ के सामने हाथ मिलाते और हाथ हिलाते हुए दोनों नेताओं की छवि मोदी की वैश्विक राजनेता के रूप में स्थिति को पुख्ता करने वाली थी, न कि सिर्फ़ एक क्षेत्रीय शक्ति दलाल के रूप में। 'अबकी बार ट्रंप सरकार' एक नारे से कहीं ज़्यादा था; यह भारत के भाग्य को उस समय दुनिया के सबसे शक्तिशाली राजनीतिक ब्रांड से जोड़ने का एक प्रयास था। इसने घरेलू स्तर पर अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे यह कहानी मजबूत हुई कि मोदी सत्ता से बराबरी की बात कर सकते हैं। लेकिन पिछले हफ्ते की घटनाओं ने उस दिखावे को खत्म कर दिया है। ट्रंप ने अपने खास अंदाज में दुनिया को याद दिलाया है कि वे दोस्ती नहीं करते। वे लेन-देन करते हैं।

ट्रंप का स्नेह हमेशा के लिए नहीं, बल्कि किराये पर उपलब्ध है। जिस व्यक्ति ने कभी मोदी को 'महान व्यक्ति' और 'भारत का मित्र' कहा था, उसी व्यक्ति ने अपने राष्ट्रपति काल के दौरान, भारत से किसी अनुरोध के बिना कश्मीर विवाद में मध्यस्थता की पेशकश भी की थी। उन्होंने बार-बार यह स्पष्ट किया कि किसी भी विदेशी नेता या सिद्धांत के प्रति वफादारी व्यक्तिगत लाभ और रणनीतिक लचीलेपन से दूसरे स्थान पर आती है। इसलिए जब ट्रंप अब पाकिस्तान के नेतृत्व की प्रशंसा करते हैं - नागरिक या सैन्य - तो ऐसा इसलिए नहीं है कि उनका मन बदल गया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि वे इसमें अपने लिए कुछ देखते हैं। चाहे वह दक्षिण एशिया में अमेरिका की प्रासंगिकता को फिर से स्थापित करने के बारे में हो या बस कुछ घरेलू निर्वाचन क्षेत्रों को साधने के बारे में। ट्रंप दिखा रहे हैं कि अगर इससे डोनाल्ड ट्रंप को मदद मिलती है तो वे तुरंत बदलाव करने के लिए तैयार हैं।

मोदी के लिए, जिन्होंने रणनीतिक दूरदर्शिता और अंतरराष्ट्रीय गंभीरता की छवि बनाने के लिए सावधानीपूर्वक काम किया है, ट्रंप की टिप्पणी सिर्फ एक अजीब क्षण से कहीं अधिक है। यह एक सार्वजनिक अनुस्मारक है कि चाहे कितने भी गले मिलें या स्टेडियम भरे हों, ट्रंप जैसे नेताओं के अधीन कूटनीति एक हाई-वायर एक्ट है जिसमें कोई सुरक्षा जाल नहीं है। फिर भारत अकेला ऐसा देश नहीं है जिसने यह सबक कठिन तरीके से सीखा है। जर्मनी और फ्रांस जैसे पारंपरिक सहयोगियों ने, नाटो की तो बात ही छोड़िए, ट्रंप को बिना किसी हिचकिचाहट के अपने रुख बदलते, वायदे तोड़ते और धमकियां देते देखा है। उनकी विदेश नीति शैली उतनी यथार्थवादी नहीं है जितनी अवसरवादी है, जो अहंकार की सनक और व्यक्तिगत लाभ की अनिवार्यताओं से संचालित होती है। इस आलोक में, मोदी का ट्रंप के साथ प्रणय निवेदन रणनीतिक गठबंधन से कम और राजनीतिक नाटक से अधिक दिखता है - जहां पटकथा हमेशा एक अभिनेता द्वारा अकेले लिखी जाती है।

ट्रंप की टिप्पणी के बाद भारत सरकार ने स्पष्ट चुप्पी बनाये रखी है। निहितार्थों को कम करने के लिए कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया, कोई स्पष्टीकरण, कोई परदे के पीछे की ब्रीफिंग नहीं हुई है। यह चुप्पी बहुत कुछ कहती है। या तो नई दिल्ली को पता नहीं है कि कैसे जवाब देना है, या फिर वह इस उम्मीद में टिप्पणी को अनदेखा करना चुन रही है कि यह अगले समाचार चक्र के वजन के नीचे दब जायेगी। दोनों ही विकल्प अप्रिय हैं। एक ऐसी सरकार के लिए जिसने विश्व मंच पर अपनी मुखरता को प्रदर्शित करने का शायद ही कोई मौका छोड़ा हो। प्रतिक्रिया की कमी या तो इस बात का संकेत है कि मोदी कि या तो रणनीतिक गलतफहमियां हैं या उनके असहज अहसास हैं। मोदी की व्यक्तिगत कूटनीति का मिथक वास्तविकता के बोझ तले ढह रहा है।

इसका मतलब यह नहीं है कि भारत और अमेरिका के रिश्ते खतरे में हैं। भारत-अमेरिका की रणनीतिक साझेदारी किसी भी दो व्यक्तियों से बड़ी है, और वाशिंगटन में भारत के महत्व के बारे में द्विदलीय आम सहमति में इस बात की संभावना नहीं है कि ओवल ऑफिस में कोई भी बैठे, इसमें कोई बड़ा बदलाव आयेगा। लेकिन कूटनीति का निजीकरण-जो मोदी की विदेश नीति के दृष्टिकोण का केंद्र है-अब तेजी से जोखिम भरा लग रहा है। यह भारत को विदेशी नेताओं, खासकर ट्रंप जैसे नेताओं के अस्थिर व्यक्तित्व के प्रति संवेदनशील बनाता है, जो संस्थान से ज्यादा सहज ज्ञान पर काम करते हैं।

इसके अलावा, ट्रंप द्वारा पाकिस्तान की सेना का समर्थन-अंतर्निहित या स्पष्ट-भारतीय संदर्भ में विशेष रूप से कष्टप्रद है। भारतीय प्रतिष्ठान लंबे समय से यह मानता रहा है कि पाकिस्तानी सेना क्षेत्र में अस्थिरता का मूल कारण है, सीमा पार आतंकवाद के लिए जिम्मेदार इकाई है, और इस्लामाबाद की कमजोर नागरिक सरकारों की डोर खींचने वाला कठपुतली मास्टर है। उसी सेना प्रमुख की मेजबानी अमेरिका के पूर्व राष्ट्ररपति द्वारा की जाती हुई देखना और उसकी एक चतुर नेता के रूप में प्रशंसा सुनना, एक लंबे समय से चले आ रहे घाव पर नमक छिड़कने जैसा है। यह वैश्विक समुदाय को नई दिल्ली के संदेश को भी जटिल बनाता है, जहां उसने अक्सर खुद को एक अनिश्चित पड़ोसी के विपरीत जिम्मेदार अभिनेता के रूप में चित्रित करने की कोशिश की है। शशि थरूर मोदी मिशन के साथ आधा दर्जन और यात्राएं कर सकते हैं, लेकिन इससे जश्न भी बदलाव नहीं होने वाला है।

28 साल बाद कातिल तक कैसे पहुंची पुलिस? गजब है कहानी

मिटाया पुरानी जिंदगी का हर 'निशान', पर नहीं सुधरी बड़बोलेपन की आदत

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। चेहरा भले बदल जाए, फ़तिरत कहां बदलती है... 50 हज़ार के ईनामी कल्लू सिंह ने सपने में भी नही सोचा होगा कि उसकी गिरफ्तारी ऐसे और इस हाल में होगी। वो तो निश्चिन्त था कि अब उसके सारे ग्रह कट गए और वो पूरी ज़िन्दगी किसी और नाम से जियेगा। कल्लू सिंह का चेहरा-मोहरा सब बदल गया था लेकिन फ़तिरत कहां से बदलती। उसके बड़बोलेपन की प्रवृत्ति ने 28 साल बाद उसे फिर से गिरफ्तार करा दिया।

17 अप्रैल 1997 गुरुवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी के हेरिटेज हॉस्पिटल के प्रशासनिक अधिकारी विधानचंद्र तिवारी हॉस्पिटल के नज़दीक खड़े थे और दो लोगों से बातचीत कर रहे थे, तभी बाइक सवार

दो लोगों ने उनकी हत्या कर दी और फरार हो गए। उसी दिन उन दोनों ने एक और हिस्ट्रीशीटर मायालू पर भी फायर कर उसे बुरी तरह घायल कर दिया। पुलिस की जांच में दो बदमाशों के नाम सामने आएं- कल्लू सिंह और बालेन्द्र सिंह।

बालेन्द्र सिंह की पांच साल बाद 2002 में चंदौली में पुलिस मुठभेड़ में मौत हो गई थी, जबकि कल्लू सिंह का कोई अता पता नही था। वो कई सालों तक फरार रहा और किसी से कोई सम्पर्क नही रखा। फिर उसके घरवालों ने भी समझ लिया कि अब वो इस दुनियां में नही है। कई साल और बीत गएं और उसकी बेटी की शादी भी हो गई, लेकिन कल्लू का कोई अता पता नही था।

गुजरात पुलिस ने लंका थाने से किया सम्पर्क

जून 2025 के दूसरे हफ़्ते में यानी कि 28 साल बाद गुजरात की वलसाड पुलिस ने वाराणसी के लंका थाने से सम्पर्क कर कल्लू सिंह की तस्वीर भिजवाई। लंका पुलिस ने मायालू से उस तस्वीर की पहचान कराई, जिसे गोली मारकर कल्लू फरार हुआ था। मायालू ने पहचान लिया कि वो कल्लू सिंह ही था। लंका पुलिस ने गुजरात पुलिस के सहयोग से कल्लू सिंह को वलसाड से गिरफ्तार किया। पूछताछ में कल्लू सिंह ने बताया कि वो त्रिभुवन सिंह के नाम से वलसाड में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी कर अपना जीवनयापन कर रहा था। उसने सोच रखा था कि पुरानी ज़िन्दगी से अब वो कोई वास्ता नहीं रखेगा। लेकिन बड़बोलेपन में उसने अपने एक नज़दीकी साथी को अपनी पुरानी ज़िन्दगी के बारे में बताया और वो पुलिस का मुखबिर निकला। इसकी वजह से वो आज पुलिस की गिरफ्त में है।

पत्नी ने कल्लू से मिलने से इनकार किया

कल्लू सिंह उर्फ़ त्रिभुवन की पत्नी ने कल्लू से मिलने से भी इनकार कर दिया। उसकी पत्नी ने कहा कि जब उसने 28 साल तक हमारी कोई खोज ख़बर नहीं ली, यहां तक कि बिटिया की शादी से भी कोई वास्ता नहीं रखा तो अब हम उससे कोई संबंध नहीं रखना चाहते। उसने जो किया वो उसको भुगतना चाहिए। हमारे लिए वो उसी समय मर चुका था। पुलिस ने कल्लू को जेल भेज दिया।

क्या दारोगा ने दुकान से 4 बैग चुराए थे? आरोपी पुलिस अफसर ने खुद दी ये सफाई

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में एक दारोगा पर एक दुकान से कपड़े चोरी करने का आरोप लगा है। इसका वीडियो वायरल हुआ तो मामले पर संज्ञान लेते हुए एसएसपी ने आरोपी दारोगा को निलंबित कर दिया है। आरोपी दारोगा की पहचान सुमित वशिष्ठ के रूप में हुई है, जोकि मेरठ ट्रैफिक पुलिस में तैनात था। अब इस पूरे मामले पर आरोपी दारोगा सुमित ने भी अपनी सफाई दी है।

आरोपी दारोगा सुमित के मुताबिक, उन्हें अतिक्रमण की सूचना मिली थी। इसके बाद दुकान पर वो गए थे। वो दुकानदार से बात करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन वो उन्हें नजरअंदाज कर रहा था। वह दुकानदार का ध्यान अपनी ओर करना चाह रहे थे, इसी वजह से वह काउंटर पर रखे बैग उठा लिए। वहीं, इस पूरे मामले पर पीड़ित दुकानदार का कहना है कि दारोगा सुमित

वशिष्ठ उसे फर्जी केस में फंसाने की धमकी दे रहे थे।

जिस दुकान से चोरी का आरोप लगा है, वो मेरठ के भगत सिंह मार्केट में है। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि पुलिस की वर्दी पहने एक शख्स दुकान के काउंटर पर खड़ा है। वह एक-एक कर काउंटर पर रखे चार बैग उठाता है और वहां से चला जाता है। दावा किया जा रहा है कि इस हरकत को करने वाले दारोगा सुमित थे। दारोगा सुमित पर दुकान से बैग चुराने का आरोप लगा है।

बताया जा रहा है कि दुकानदार को तब चोरी का आभास हुआ, जब वह शाम में स्टॉक का मिलान कर रहा था। कुछ कपड़े दुकान से गायब मिले। इसके बाद दुकानदार ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को चेक किया तो आरोपी दारोगा सुमित काउंटर से कपड़ों के बैग उठाता दिखा। हालांकि, यह पता नहीं चल पाया है कि आरोपी दारोगा ने दुकानदार को कपड़ों के पैसे दिए थे या नहीं।

तहसील सभागार में सुपरवाइजरों व बीएलओ की हुई बैठक

आर्यावर्त संवाददाता

धौरहरा-खीरी। जिला प्रशासन के निर्देश पर सोमवार को तहसील सभागार में एसडीएम तहसीलदार नायब तहसीलदार की अध्यक्षता में आगामी चुनावों को देखते हुए मतदाता सूची का सत्यापन कराने हेतु सुपरवाइजरों व बूथ लेवल अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए गए।

प्राप्त विवरण के अनुसार जिला निर्वाचन अधिकारी खीरी पत्र संख्या 418/25 का अवलोकन करते हुए सोमवार में तहसील सभागार में सुपरवाइजरों व बी एल ओ के साथ बैठक करते हुए एसडीएम धौरहरा राजेश कुमार तहसीलदार आदित्य विशाल,नायब तहसीलदार अखिलेश मौर्या सहित अन्य अधिकारियों द्वारा आगामी चुनावों को देखते हुए प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु तैयारी करने की बात कही। एसडीएम ने बैठक में कहा कि शासन के निर्देश पर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा अपनी विधानसभा में सहायक निर्वाचन अधिकारियों सुपरवाइजरों को निर्धारित तक प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

9 बच्चों की मां ने बनाया बॉयफ्रेंड, पति को दिया वफा का ऐसा सिला, मार भी डाला और... जेठ ने खोला राज

कासगंज। शादी के बाद अवैध संबंधों में कई बार वो लोग भी मारे जाते हैं, जो बेगुनाह होते हैं। ऐसा ही एक मामला उत्तर प्रदेश के कासगंज से सामने आया है। यहां एक पति अपनी पत्नी से बेपनाह मोहब्बत करता था। दोनों के 9 बच्चे भी थे। लेकिन पति नहीं जानता था कि एक दिन वही जीवनसंगिनी उसकी जान ले लेगी, जिसे वो खुद से भी ज्यादा मोहब्बत करता है। पत्नी ने एक मुस्लिम युवक से अफेयर चलाया। फिर उसी के साथ मिलकर पति को मार डाला।

बाद में क्राइम को छुपाने के लिए पति की लाश ट्यूबवेल पर टांग दी, जिससे सभी को लगे कि पति ने सुसाइड किया है। बाद में महिला प्रेमी संग भाग गई। दिल दहला देने वाला यह मामला पटियाली थाना क्षेत्र के भरगेन गांव का है। यहां एक बंद पड़े ईंट भट्ठे से एक मजदूर का शव

बरामद हुआ था। मृतक की पहचान कायमगंज निवासी रतिराम नट के रूप में हुई। अब इस मामले में पुलिस ने रतिराम की पत्नी रीना और उसके प्रेमी हनीफ के खिलाफ नामजद तहरीर दर्ज की है।

क्या है पूरा मामला?

जानकारी के मुताबिक 50 साल का रतीराम फर्रुखाबाद के कायमगंज के गांव उलियापुर का रहने वाला था। वह अपनी पत्नी रीना और बच्चों के साथ एक हफ्ते पहले ईंट-भट्ठे पर मजदूरी के लिए भरगैन आया था। मृतक के भाई अरविंद ने पुलिस को बताया कि रीना का मायका भरगैन में ही है। उसका यहां रहने वाले हनीफ से अवैध संबंध हैं, जो ईंट-भट्ठे पर ठेकेदारी करता है।

ऐसे दिया वारदात को अंजाम

रीना के जेठ अरविंद ने बताया- 17 जून को रतीराम को रीना और हनीफ के संबंधों का पता चला। इसके बाद रीना से मारपीट हुई। आरोप है कि इसी झगड़े के बाद रीना ने अपने प्रेमी हनीफ के साथ मिलकर रतीराम की हत्या कर दी। शव को जुल्फिकार के खेत में लगे ट्यूबवेल के हौज में फेंक दिया। रविवार को जब कस्बे के लोगों को दुर्गंध आई, तो उन्होंने ट्यूबवेल के हौज में रतीराम का शव देखा। स्थानीय लोगों ने बताया कि रीना पहले भी पांच बार हनीफ के साथ जा चुकी थी।

आरोपियों की तलाश जारी

घटना की सूचना मिलने पर रविवार को एसपी, एएसपी, सीओ सहित अन्य अधिकारी और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक के भाई अरविंद की तहरीर पर पुलिस ने रीना और उसके प्रेमी हनीफ के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और दोनों की तलाश जारी है। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने बताया कि आरोपी पत्नी और प्रेमी हत्या के बाद से फरार हैं।

हरदोई ब्रांच नहर पर पुल निर्माण अधूरा, जनता परेशान, एनएचएआई को भेजा पत्र

आर्यावर्त संवाददाता

पूरनपुर,पीलीभीत। राष्ट्रीय राजमार्ग 730 पर स्थित हरदोई ब्रांच नहर पर अंग्रेजों के जमाने का पुल बीते तीन वर्षों से अधर में लटका हुआ है। तीन साल पहले शुरू हुआ इसका पुनर्निर्माण कार्य आज तक पूरा नहीं हो पाया है।इससे रोजाना जाम और हादसों की स्थिति बनी रहती है। पुल की संकराई और खराब हालत के कारण वाहन चालकों को वनवे से गुजरना पड़ता है, जिससे आमजन को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।पूर्व जिलाधिकारी मासूम अली के कार्यकाल में पुल की आंशिक मरम्मत कराई गई थी,लेकिन वह स्थायी समाधान नहीं बन सकी।अब विभागीय लापरवाही और शिथिलता के चलते निर्माण कार्य ठप पड़ा है।हरदोई ब्रांच नहर पर स्थित कुल पांच ब्रिटिशकालीन पुलों में से तीन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं।इनमें डगा और कलीनगर जैसे पुल पूरी तरह बंद कर दिए गए हैं। ये सभी पुल 1925 में बनाए गए थे और अब अपनी मियाद पूरी कर चुके हैं। यह नहर पीलीभीत जिले से होकर गुजरती है और इन क्षतिग्रस्त पुलों में डगा,कलीनगर, चितरपुर, शाहगढ़ और पूरनपुर पुल प्रमुख हैं।एनएचएआई को भेजा गया पत्र नगर पालिका परिषद पूरनपुर के सभासद अनुज कुमार गुप्ता ने पुलों की स्थिति को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को पत्र भेजा है।उन्होंने पत्र के माध्यम अनुरोध किया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित हरदोई ब्रांच नहर पुल सहित सभी जर्जर पुलों की मरम्मत/नवनिर्माण शीघ्र कराए जाएं,ताकि आमजन को आवागमन में राहत मिल सके।सभासद अनुज कुमार गुप्ता ने कहा कि जब तक इन पुलों को पुनर्निर्मित नहीं किया जाएगा,तब तक न सिर्फ आमजन का जीवन प्रभावित होगा बल्कि टाइगर रिजर्व जैसे पर्यटक स्थलों तक पहुंच भी बाधित रहेगी।

प्रेमी के साथ बंद कमरे में मिली पत्नी, पति से कहा- मुंह खोला तो... मायके वालों ने भी दिया साथ

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के मझोला थाना क्षेत्र में एक पति को उसकी पत्नी ने जान से मारने की धमकी दी। पति ने मझोला थाने में इसे लेकर शिकायत दर्ज कराई है। पति का आरोप है कि उसने अपनी पत्नी को उसके प्रेमी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा था, जिसके बाद पत्नी ने उसे जान से मारने की धमकी दी।

मझोला थाना क्षेत्र के युवक की शादी दो साल पहले कुंदरकी क्षेत्र की महिला से हुई थी। दंपति की एक बेटी भी है। युवक ने बताया कि वह एक पेट्रोल पंप पर काम करता है। 19 जून 2025 को सुबह करीब 10 बजे उसके भाई ने उसे सूचना दी कि उसकी गैरमौजूदगी में एक अनजान व्यक्ति घर पर आया है।

पत्नी को प्रेमी साथ पकड़ा

सूचना मिलते ही युवक घर पहुंचा, जहां उसने अपनी पत्नी को उसके अमरोहा के रहने वाले प्रेमी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया। शिकायतकर्ता युवकके अनुसार, जब उसने इस बारे में पूछा तो पत्नी ने गाली-गलौज की और धमकी दी कि अगर उसने किसी को बताया तो वह प्रेमी के साथ मिलकर उसकी हत्या करवा देगी। इसके बाद उसी दिन शाम करीब 6 बजे पत्नी अपनी मां के साथ मायके चली गई।

ससुराल वालों ने धमकाया

युवक ने यह भी आरोप लगाया कि जब उसने अपनी ससुराल वालों से इस घटना की शिकायत की, तो उन्होंने उसे धमकाते हुए कहा कि अगर उसने उनकी बेटी को बदनाम किया तो वो उसके खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराकर उसे जेल भिजवा देंगे। युवक ने 21 जून 2025 को मझोला थाने में तहरीर देकर अपनी पत्नी और उसके प्रेमी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि मझोला थाने में युवक की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। युवक ने आरोप लगाया है कि उसकी पत्नी और अमरोहा निवासी प्रेमी को आपत्तिजनक स्थिति में देखने के बाद पत्नी ने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और सबूतों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

माइक्रोप्लान के अनुसार सम्बंधित विभाग करें कार्य" सीडीओ

प्रयागराज। मुख्स विकास अधिकारी हर्षिका सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को सर्किट हाउस के सभागार में 01 जुलाई, 31 जुलाई तक चलाये जाने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं 11 जुलाई से 31 जुलाई तक चलाये जाने वाले दस्तक अभियान की तैयारियों के सम्बंध में जनपद स्तरीय अंन्तर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, जिला पंचायतीराज विभाग, नगर विकास विभाग, महिला बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, शिक्षा विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि एवं सिंचाई विभाग, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उद्यान विभाग एवं अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को निर्धारित किए गए दायित्वों को समय से माइक्रो प्लान के अनुसार सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया है।

दीवाली पर कानपुर वालों को मिलेगा तोहफा, 2492 भूखंड लॉन्च करने की तैयारी... इन इलाकों में मिलेगी जमीन

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने शहरवासियों के लिए दीपावली तक करीब 700 नए आवासीय भूखंड लाने की योजना बनाई है। अगस्त में न्यू कानपुर सिटी योजना के तहत 1792 भूखंड लॉन्च करने के बाद अब प्राधिकरण जवाहरपुरम और अर्रा-बिनगवां में नई आवासीय योजनाएं शुरू करने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए खाका तैयार किया जा रहा है। साथ ही, हाल ही में खाली कराई गई जमीनों का सर्वे भी कराया जा रहा है। ताकि छोटे-छोटे क्षेत्रों में आवासीय भूखंड विकसित किए जा सकें।

केडीए उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल ने बताया कि पुरानी योजनाओं में खाली पड़े भूखंडों और चिह्नित जमीनों का सर्वे कराया जा रहा है। हाल के सर्वे में इंदिरा नगर,

लखनपुर, साकेत नगर, मकड़ी खेड़ा और पनकी जैसे क्षेत्रों में कई खाली भूखंड और अनधिकृत कब्जे सामने आए हैं। पनकी में करीब दो दर्जन भूखंडों पर फर्जी दस्तावेजों के जरिए बिक्री की गई, जिनमें से कुछ पर गेस्ट हाउस और नर्सिंग होम बन गए हैं। इनकी जांच के लिए उपाध्यक्ष ने सख्त निर्देश दिए हैं।

149 आवासों की योजना की तैयारी

न्यू कानपुर सिटी योजना को इसी साल 15 अगस्त को लॉन्च करने की तैयारी है। यह योजना मैनावती मार्ग से सिंहपुर और सिंहपुर से कल्याणपुर के बीच विकसित की जाएगी। योजना को गंगा बैराज से जोड़ने के लिए दो स्थानों पर सड़कें बनाई जाएंगी। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। वहीं, दक्षिण क्षेत्र में अर्रा-बिनगवां में 149 आवासों की योजना तैयार की जा रही है, जिसमें कुछ भूखंड व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए विकसित होंगे। जवाहरपुरम विस्तार में खाली कराई गई जमीन पर 350 भूखंडों का खाका तैयार हो रहा है। दोनों योजनाएं दीपावली तक लॉन्च करने का लक्ष्य है।

आवासीय सुविधाओं का होगा विस्तार

केडीए सचिव अभय पांडेय ने बताया कि बिनगवां, पनकी और गंगागंज में खाली कराई गई जमीनों पर भी आवासीय योजनाएं लाई जाएंगी। प्राधिकरण का लक्ष्य है कि खाली जमीनों का उपयोग कर शहरवासियों को किफायती और व्यवस्थित आवास उपलब्ध कराए जाएं। सर्वे और विकास कार्यों को तेजी से पूरा करने के लिए टीमें एक्टिव हैं। केडीए की इस पहल से शहर में आवासीय सुविधाओं का विस्तार होगा और अनधिकृत कब्जों पर रोक लगेगी। शहरवासियों को दीपावली तक नए भूखंडों का तोहफा मिलने की उम्मीद है।

बॉयफ्रेंड के साथ होटल के कमरे में थी पत्नी, पति को अचानक देख दूसरी मंजिल से कूदा प्रेमी और फिर...

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के पाकबड़ा थाना क्षेत्र में एक महिला अपने बॉयफ्रेंड से मिलने पहुंची। लेकिन महिला के पति ने उसे देख लिया और महिला का पीछा कर होटल के कमरे में उसे उसके प्रेमी के साथ पकड़ लिया। इसके बाद पति ने होटल में हाई वोल्टेज हंगामा किया। पति ने पुलिस को भी अपनी पत्नी के बारे में जानकारी दे दी। ऐसे में पति और पुलिस को आता देख महिला का प्रेमी होटल की दूसरी मंजिल से कूदकर भाग गया। फिर पुलिस पति-पत्नी को थाने लेकर पहुंची। अब मुरादाबाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है।

मुरादाबाद के मैनाठेर थाना क्षेत्र के ग्रामीण इलाके में रहने वाले एक युवक को अपनी पत्नी पर काफी समय से शक था। उसे लगता था कि

उसकी पत्नी घर से निकलने के बाद किसी और से मिलती है। इसी शक के आधार पर उसने पत्नी को रंगे हाथ पकड़ने का प्लान बनाया। पति ने काम का बहाना बनाकर घर से निकलने का नाटक किया और छिपकर पत्नी पर नजर रखने लगा।

20 फीट की ऊंचाई से कूदकर फरार

महिला घर से निकलने के बाद कुछ ही दूरी पर अपने प्रेमी के साथ बाइक पर बैठकर हसनपुर गोपाल पहुंची थी। जहां दोनों एक होटल में चले गए। पत्नी का पीछा कर रहा पति भी होटल पहुंच गया और दोनों को रंगे हाथों पकड़ने पर हंगामा शुरू कर दिया। पति ने तुरंत 112 पर फोन किया और अपनी पत्नी के किसी दूसरे शख्स के साथ होटल में होने की जानकारी पुलिस को दी। जैसे ही महिला के प्रेमी ने उसके पति और पुलिस को आते देखा, वह होटल की दूसरी मंजिल से लगभग 20 फीट की ऊंचाई से कूदकर फरार हो गया।

हंगामे के बाद मायके चली गई पत्नी

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पति के हाई वोल्टेज हंगामे को लेकर पुलिस ने बताया कि संभल के एक व्यक्ति ने मुरादाबाद पुलिस को सूचना दी थी कि उसकी पत्नी किसी और व्यक्ति के साथ होटल में मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, जहां आरोप लगाने वाले युवक की पत्नी के साथ एक और व्यक्ति मौजूद था। थाने में लाकर पूछताछ करने पर महिला ने बताया कि उसका अपने पति से विवाद चल रहा है। उसने दावा किया कि तीसरा व्यक्ति समझौता करने के लिए होटल में आया था। दोनों पक्षों में से किसी ने भी अभी तक लिखित तहरीर नहीं दी है। इसके बाद थाने से महिला अपने माता-पिता के साथ मायके चली गई। पुलिस ने बताया कि तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पति-पत्नी के बीच पहले से मनमुटाव चल रहा था।

बारिश कई तरह के संक्रमण के खतरे को बढ़ा देता है: डॉ भंवर सिंह

प्रयागराज। आइडियल होम्योपैथिक वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन के तत्वाधान में आयुष डॉक्टरों की एक वैज्ञानिक संगोष्ठी रामबाग स्थिति एक होटल में आयोजित की गई। जिसमें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ० भंवर सिंह ने बरसात के मौसम में होने वाली बीमारियों के लक्षण एवं बचाव आदि के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बारिश के समय मौसम कई तरह के संक्रमण के खतरे को बढ़ा देता है। जिन लोगों के इम्यून सिस्टम कमजोर होते हैं उन लोगों को इन बीमारियों से संक्रमित होने का खतरा अत्यधिक होता है। इनमें चिकनगुनिया, डेंगू मलेरिया, टाइफाइड बुखार, वायरल बुखार ,हैजा, फ्लू आदि बीमारियां विशेष रूप से शामिल हैं।

डॉ अशोक गुप्ता ने भी अपने विचार व्यक्त किये।डॉ० अखिल निगम ने समस्त उपस्थित चिकित्सकों को संगोष्ठी में शामिल होने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

आखिर क्यों टल गई रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की शादी?

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज रिंकू सिंह और जौनपुर की मछलीशहर सीट से समाजवादी पार्टी की युवा लोकसभा सांसद प्रिया सरोज की शादी होने वाली थी। दोनों परिवार जोर-शोर से रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की शादी की तैयारियों में लगे थे, लेकिन अब खबर आ रही है कि रिंकू सिंह और सांसद प्रिया सरोज की शादी टल गई है। इतना ही नहीं दोनों परिवारों ने शादी की तैयारियां भी रोक दी हैं।

दरअसल, इसी महीने में सपा संसद और रिंकू सिंह की सगाई हुई थी। दोनों ने लखनऊ के एक होटल में एक-दूसरे को अंगूठी पहनाई थी। इसी साल 18 नवंबर को दोनों की शादी होने वाली थी, लेकिन फिलहाल इस शादी को टाल दिया है। शादी टलने के पीछे रिंकू सिंह की क्रिकेट को लेकर व्यस्तता की बात बताई जा रही है।

अभी शादी की कोई नई तारीख तय नहीं

बताया जा रहा है कि नंवबर में क्रिकेट टूर्नामेंट की वजह से रिंकू सिंह व्यस्त रहेंगे, इसलिए दोनों की शादी टाल दी गई है। वाराणसी के ताज होटल में रिंकू सिंह और सांसद प्रिया सरोज की शादी होने वाली थी। फिलहाल होटल की बुकिंग को फरवरी महीने के अंत में कर दिया गया है। हालांकि अभी दोनों की शादी की नई तारीख तय नहीं की गई है।

सगाई में शामिल हुए थे खेल और राजनीति से जुड़े लोग

बता दें कि इसी महीने हुई सपा संसद और रिंकू सिंह की सगाई में खेल जगत से ही नहीं, बल्कि राजनीति से जुड़े भी कई दिग्गज लोग शामिल हुए थे। सगाई में सांसद प्रिया सरोज का एक भावुक होने वाला वीडियो भी वायरल हुआ था। वयरल हुए वीडियो में सगाई में प्रिया सरोज की आंखों में आंसू देखे गए थे। लोगों को रिंकू सिंह और प्रिया सरोज का खूबसूरत अंदाज भी बहुत भाया था। प्रिया और रिंकू अपनी सगाई में बेहद अच्छे लग रहे थे।

'पॉश्चर' खराब होने से क्या होता है? जानें गलत बैठने और चलने से होने वाली 3 गंभीर शारीरिक समस्याएं

अक्सर लोग अपने ऑफिस या वर्कप्लेस पर गलत पॉश्चर (मुद्रा) में बैठकर काम करते हैं। बहुत से लोगों को लगता है कि इससे सिर्फ उनका अपियरेंस (दिखावट) प्रभावित होगा, लेकिन ये कई गंभीर बीमारियों का कारण भी हो सकता है। आइए, इस लेख में हम इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

आज की आधुनिक जीवनशैली में, जहां घंटों कंप्यूटर या स्मार्टफोन के सामने गर्दन झुकाकर स्क्रीन पर लंबे समय तक देखने का चलन बढ़ गया है। ऐसे में 'पॉश्चर' यानी हमारे शरीर की मुद्रा का बिगड़ना एक आम समस्या बन गई है। अधिकतर लोग इसे सिर्फ सौंदर्य या आत्मविश्वास से जोड़कर देखते हैं, लेकिन सच तो यह है कि गलत पॉश्चर सिर्फ आपकी चाल या बैठने के तरीके को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि यह कई गंभीर शारीरिक समस्याओं को जन्म दे सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि लंबे समय तक गलत मुद्रा में बैठना, खड़े होने या चलने से हमारे मस्कुलोस्केलेटल सिस्टम पर अत्यधिक दबाव पड़ता है, जिससे न केवल लगातार मांसपेशियों में दर्द होता है, बल्कि अन्य स्वास्थ्य समस्याएं भी पैदा होती हैं। यह स्थिति धीरे-धीरे रीढ़ की हड्डी की प्राकृतिक संरचना को भी बदल सकती है। इसलिए यह समझना बेहद जरूरी है कि हमारा पॉश्चर हमारे समग्र स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करता है और कौन-सी गंभीर समस्याएं इससे जुड़ी हुई हैं। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

पीठ और गर्दन में दर्द

लंबे समय तक झुककर बैठना जैसे लैपटॉप या फोन का उपयोग करने से रीढ़ और गर्दन पर दबाव डालता है। इससे लोअर बैक पेन, सर्वाइकल स्पॉन्डिलोसिस और मांसपेशियों में तनाव होता है। जर्नल ऑफ फिजिकल थेरेपी साइंस के अनुसार, ज्यादातर लोग गलत पॉश्चर के कारण पीठ दर्द से पीड़ित हैं। इसलिए हर 30 मिनट में सीधे बैठें और स्ट्रेच करें। कुर्सी पर रीढ़ को सहारा देने वाला तकिया रखें। गर्दन को सीधा रखकर स्क्रीन को आंखों के लेवल पर सेट करें।

पाचन और श्वसन समस्याएं

झुककर बैठने से फेफड़े और पेट पर दबाव पड़ता है, जिससे सांस लेने में तकलीफ और पाचन संबंधी समस्याएं, जैसे एसिड रिफ्लक्स या कब्ज, हो सकती हैं। गलत पॉश्चर फेफड़ों की क्षमता को प्रभावित कर सकता है। इसलिए सीधे बैठें ताकि फेफड़े पूरी तरह खुल सकें। खाने के बाद 10 मिनट टहलें। गहरी सांस लेने की प्रैक्टिस करें।

बचाव के उपाय

खराब पॉश्चर से बचना चाहते हैं? कुछ आसान उपाय आपकी मदद कर सकते हैं! ऑफिस में एर्गोनॉमिक कुर्सी और डेस्क चुनें, और स्क्रीन को आंखों के लेवल पर रखें ताकि आपकी रीढ़ पर जोर न पड़े। रोजाना 20-30 मिनट स्ट्रेचिंग करें या कैट-काउ और चाइल्ड पोज जैसे योग आसनों को अपनी दिनचर्या में शामिल करें, ये आपके पॉश्चर को दुरुस्त रखेंगे। हर घंटे चेक करें कि आप कैसे बैठे या खड़े हो रहे हैं। ऑफिस में काम करते समय कंधों को पीछे रखें और रीढ़ को सीधी रखें। अगर दर्द या तकलीफ बार-बार हो, तो बिना देर किए फिजियोथेरेपिस्ट से मिलें।

30 मिनट बाद लें ब्रेक

ऑफिस हो या घर काम के दौरान हर 30 मिनट बाद ब्रेक लेना जरूरी है। बॉडी के पोश्चर को सही रखने के लिए जरूरी है काम के दौरान ब्रेक लें। एक ही पोजीशन में बैठे रहने से कमर और हाथों में दर्द हो सकता है इसलिए हर 30 मिनट बाद ब्रेक लेने से बॉडी मसल्स को रिलेक्स किया जा सकता है। इस दौरान वॉक या स्ट्रेच कर मसल्स को नॉर्मल किया जा सकता है।

आराम से करें तौबा

लंबी दूरी तक गाड़ी चलाते वक़्त पूरी तरह झुक जाना थोड़ी देर का आराम तो दे सकता है लेकिन यह पॉश्चर के लिए सही नहीं है। अपनी सीट को स्टीयरिंग व्हील के पास रखें। अपने पीठ के पीछे एक तकिया या टॉवेल को मोड़कर भी रख सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

कंधों को झुकाकर नहीं तनकर खड़े हैं। पैर सीधे हों, घुटने मुड़े हुए न हों, सिर, गर्दन, कमर और पैर एक सीध में हों और वज़न दोनों पैरों पर बराबर रहे।

ऊंची हील के जूते न पहनें। इससे शारीरिक संतुलन बिगड़ता है तथा यह घुटने, एंकल जॉइंट और एड़ी के लिए हानिकारक है।

रीढ़ की हड्डी में विकृति

गलत पॉश्चर, जैसे कूबड़ निकलना या रीढ़ का टेढ़ापन, हड्डियों और जोड़ों की संरचना को नुकसान पहुंचाता है। यह विशेष रूप से बच्चों और किशोरों में ज्यादा देखा जाता है, जो लंबे समय तक झुककर पढ़ते या गेम खेलते हैं। इससे बचने के लिए योग और पिलाटे जैसे व्यायाम रीढ़ को मजबूत करते हैं। तैराकी या बैक स्ट्रेंथनिंग एक्सरसाइज करें। बच्चों को सही पॉश्चर की आदत डालें।

सामान उठाने के लिए घुटनों को मोड़कर झुकें। पैरों को सीधा रखकर खड़े हों क्योंकि पैरों को बाहर की तरफ़ निकालकर खड़े होने से घुटनों को क्षति पहुंचती है। झुककर खड़े होने या बैठने से छाती व पेट के महत्वपूर्ण अंगों को पर्याप्त जगह नहीं मिल पाती जिसके कारण वे अपना कार्य ठीक से नहीं कर पाते और शरीर धीरे-धीरे रोगी होने लगता है।

कुर्सी पर एक ओर झुककर न बैठे। पेट के बल न सोएं। इससे रीढ़ की हड्डी का प्राकृतिक आकार प्रभावित होता है और कंधे आगे की तरफ़ झुक जाते हैं।

स्पाइनल कॉर्ड को रखें सीधा

हेल्थलाइन के अनुसार स्पाइनल कॉर्ड यानी रीढ़ की हड्डी पर बैठने और खड़े रहने से प्रेशर पड़ता है. इस प्रेशर की वजह से कई बार कमर दर्द और जॉइंट्स की समस्या हो जाती है. सही बॉडी पोश्चर पर ध्यान देने की वजह से स्पाइनल कॉर्ड टेढ़ी तक हो सकती है. इसलिए बैठते समय स्पाइनल कॉर्ड को हमेशा स्ट्रेट रखें. अधिक देर बैठने की स्थिति में ऑफिस चेयर का इस्तेमाल करें.

मानसून में सब्जियों को लंबे समय तक स्टोर करने के ये तरीके हैं बेस्ट

बारिश के दिनों में सब्जियों के खराब होने का डर बना ही रहता है। इस मौसम में पानी और नमी के कारण सब्जियां सड़ने लगती हैं। इस समस्या से बचने के लिए आपको इन्हें स्टोर करते वक्त कुछ बातों का खास ध्यान रखना होगा। तो आइए जानते हैं बारिश में सब्जियों को किस तरह स्टोर करना चाहिए।

बारिश के मौसम में ज्यादा सब्जियां नहीं खरीदनी चाहिए क्योंकि हवा में नमी होने के कारण इनके जल्दी खराब होने का डर बना रहता है। इसके बावजूद लोग बाजार लगने पर कई सब्जियां ले आते हैं। यहां हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं जिनकी मदद से वेजिटेबल्स को लंबे समय तक के लिए स्टोर किया जा सकता है।(

बारिश के मौसम में सब्जियों को अच्छे से धोएं क्योंकि इस मौसम में नमी और पानी के कारण बैक्टीरिया पनपने का डर रहता है। इसलिए सब्जियों को केवल पानी से साफ करने की जगह विनेगर या बेकिंग सोडा से साफ करें। इससे गंदगी काफी हद तक निकल जाती है।

सब्जियों को अच्छे से सुखाकर ही फ्रिज में लगाएं। इसके लिए आप सब्जियों को पोछने के लिए किसी कॉटन के कपड़े या टिशू पेपर का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे सब्जी सही तरीके से साफ हो जाएगी। भूल से भी इन्हें बाजार से लाए हुई पॉलीथीन या थैली में स्टोरी करने की गलती न करें।

लहसुन को लंबे समय तक स्टोर करने के लिए आप इसे चायपत्ती डालकर किसी एयरटाइट बैग या डिब्बे में रख सकते हैं। ऐसा करने से इसकी लाइफ बढ़ जाती है और ये सूखते या जल्दी खराब नहीं होते हैं।

प्याज को लंबे समय तक स्टोर करना चाहते हैं तो इसे आप न्यूज पेपर के पीसेज के साथ रखें। इससे इसके खराब होने का खतरा कम हो जाता है और मानसून में ये जल्दी नहीं खराब होते हैं।

अदरक को लंबे समय तक स्टोर करने के लिए आप इसे हल्दी के पानी में डुबोकर रखें फिर इसके सूख जाने के बाद इसे टिश्यू पेपर में रैप करके फ्रिज में रखें।

टमाटर को लंबे समय तक स्टोर करने के लिए इसकी हरी पत्ती को निकालकर इसके ऊपर हिस्से पर टेप लगाकर रख सकते हैं। इससे ये गलते या सड़ते नहीं है।

बिहार की इस जगह को माना जाता है ‘ मिनी शिमला’, यहां घूमने की बात ही है अलग

शिमला के बारे में तो आप जानतें ही होंगे और ज्यादातर लोग यहां घूमने भी गए होंगे। पर क्या आप जानते हैं कि बिहार में भी एक जगह है जिसे मिनी शिमला के नाम से जाना जाता है। बिहार की प्रसिद्ध जगह सिमुलतला को 'मिनी शिमला' के नाम से जाना जाता है। तो आइए जानते हैं आप यहां पर किन जगहों को एक्प्लोर कर सकते हैं।

बिहार के जमुई जिले के पास मौजूद सिमुलतला एक खूबसूरत गांव हैं जो चारों तरफ से पहाड़ों से घिरा हुआ है। बिहार का ‘मिनी शिमला’ कहे जाने वाली ये जगह सिमुलतला, अंग्रेजों के शासनकाल से ही टूरिस्ट प्लेस के रूप में फेमस है। आज भी लोग यहां की नेचुरल ब्यूटी के कारण यहां पर फैमिली और दोस्तों के साथ घूमने जाते ही हैं। यहां पर कई कोठियां थीं जो इसकी समृद्धि को बयां करती हैं। इन कोठियों में गुलाब के फूल की बगिया भी लगी हैं जो इसे अट्रैक्टिव बनाती हैं।

ये जगह अपने शांत वातावरण, झरने, घाटियों के लिए प्रसिद्ध है। यहां पर आप कुच सुकून के पल बिता सकते हैं। इस जगह पर आप अपने परिवार, दोस्तों या सोलो ट्रैवल भी कर सकते हैं। पूरे साल में आप कभी भी इस जगह पर घूमने के लिए जा सकते हैं।

सिमुलतला की कोठियां

सिमुलतला इतना खूबसूरत गांव है जो पहाड़ियों से ढका है और चारों तरफ हरियाली भी है। यही वजह है कि ये फेमस टूरिस्ट स्पॉट्स में से एक है। माना जाता है कि इस जगह पर बंगालियों की 350 से ज्यादा कोठियां हुआ करती थीं। जहां पर छुट्टियां मनाने और स्वास्थ्य लाभ के लिए लोग पहुंचते थे। सिमुलतला की बंगाली कोठियों में बांग्लादेश के ढाका के राजा के नालड़ेंगा राजबाड़ी किले के तर्ज पर 52 कमरों और 53 दरवाजे लालडेंगा हाउस के फेमस स्पॉट्स हैं। जिसे देखने के लिए कई टूरिस्ट आते हैं।

सिमुलतला की खासियत क्या है?

सिमुलतला एक ऐसी जगह है जो स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रसिद्ध है। जंगल के रास्ते चलकर पहाड़ियों के नजारे देखना सच में एक खूबसूरत अनुभव है। शांत वातावरण, रात में टिमटिमाते सितारों को देखना और खूबसूरत आसमान को निहारना एक बहुत ही सुंदर एक्सपीरिएंस हो सकता है। दिग्गज फिल्मकार फिल्म कंपनी ‘न्यू थियेटर्स’ के मालिक कोलकाता के रहने वाले दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित श्री बी.एन सरकार का बंगला सिमुलतला के गौरवशाली अतीत का जीता जागता सबूत है।श्री बी। एन सरकार और मशहूर फिल्म का सत्यजीत रे की कई फिल्मों की शूटिंग यहां पर हुई है जो इस जगह को और खास बनाता है।

सिमुलतला से जुड़ी कहानी

सिमुलतला हिल स्टेशन इस वजह से भी फेमस है क्योंकि जब स्वामी विवेकानंद की तबीयत खराब हुई थी तब वह ठहरने के लिए यही आए थे। सिमुलतला में मौजूद लट्टू पहाड़ में उन्होंने ध्यान लगाया था। स्वामी विवेकानंद ने यहां पर लोगों को कुछ शिक्षा भी दी थी जिस वजह से यहां पर रामकृष्ण मठ का भी निर्माण कराया गया था।

क्या है 'पंप एंड डंप' स्कैम, जिससे मिनटों में डूब जाती है निवेशकों की मेहनत की कमाई?

पंप एंड डंप' स्कैम में ज्यादातर पेनी स्टॉक्स का इस्तेमाल होता है . पेनी स्टॉक्स वो शेयर होते हैं, जिनकी कीमत बहुत कम होती है, जैसे ₹1, ₹2 या ₹5 . इन शेयरों को ऑपरेट करना आसान होता है, क्योंकि इनकी ट्रेडिंग वॉल्यूम कम होती है और थोड़ी सी खरीदारी से भी इनकी कीमत में बड़ा उछाल आ सकता है .

कुछ दिन पहले शेयर बाजार में निवेशकों की मेहनत की कमाई को लूटने वाले ठगों पर सेबी (SEBI) ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। अहमदाबाद, मुंबई और गुरुग्राम में एक साथ छापेमारी कर सेबी ने ₹300 करोड़ के 'पंप एंड डंप' स्कैम का पर्दाफाश किया है। इस घोटाले में 15 से 20 फर्जी कंपनियों का इस्तेमाल किया गया, जिन्हें कुछ लिस्टेड कंपनियों के प्रमोटर्स ने बनाया था। ये ठग यूट्यूब, व्हाट्सऐप और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए निवेशकों को झांसा देते थे। आइए, समझते हैं कि आखिर ये 'पंप एंड डंप' स्कैम है क्या, कैसे काम करता है

क्या है 'पंप एंड डंप' स्कैम

'पंप एंड डंप' एक ऐसा घोटाला है, जिसमें ठग शेयर बाजार में छोटे-मोटे या पेनी स्टॉक्स की कीमतों को पहले आसमान पर चढ़ाते हैं और फिर अचानक उन्हें बेचकर मोटा मुनाफा कमा लेते हैं। इस दौरान आम निवेशक, जिन्हें रिटेल इनवेस्टर्स कहते हैं, फंस जाते हैं और उनकी मेहनत की कमाई डूब जाती है। ये स्कैम सोशल मीडिया के जमाने में और खतरनाक हो गया है, क्योंकि ठग अब यूट्यूब, व्हाट्सऐप ग्रुप्स और टेलीग्राम चैनल्स के जरिए लाखों लोगों तक अपनी झूठी बातें पहुंचा देते हैं।

इस स्कैम का तरीका बड़ा आसान लेकिन बेहद चालाकी भरा है। पहले ठग किसी कंपनी के शेयर को बहुत कम दाम पर खरीद लेते हैं। फिर वो सोशल मीडिया पर उस शेयर की तारीफों के पुल बांधने लगते हैं। वो कहते हैं कि ये शेयर जल्द ही चांद पर पहुंचेगा, इसमें निवेश करने से मोटा मुनाफा होगा। कई बार तो वो फर्जी खबरें भी फैलाते हैं, जैसे कि उस कंपनी को कोई बड़ा कॉन्ट्रैक्ट मिला है या कोई बड़ी कंपनी उसे खरीदने वाली है। इन सबके लिए वो बड़े यूट्यूबर्स, इनफ्लुएंसर्स या सोशल मीडिया स्टार्स का सहारा लेते हैं, जो अपने फॉलोवर्स को उस शेयर में पैसा लगाने की सलाह देते हैं।

जैसे ही लोग इन बातों में आकर उस शेयर को खरीदने लगते हैं, उसकी डिमांड बढ़ जाती है और कीमत आसमान छूने लगती है। निवेशकों को लगता है कि जो उन्हें बताया गया, वो सच है और वो और पैसे उस शेयर में झोंक देते हैं। लेकिन असल में ये सब एक जाल होता है। जैसे ही शेयर की कीमत ठगों के मनमाफिक ऊंचाई पर पहुंचती है, वो अपने सारे शेयर बेच देते हैं, यानी 'डंप' कर देते हैं। इससे शेयर की कीमत अचानक धड़ाम से गिर जाती है, और आम निवेशक के हाथ में सिर्फ नुकसान रह जाता है।

कैसे काम करता है ये स्कैम?

'पंप एंड डंप' स्कैम का तरीका समझने के लिए एक उदाहरण लेते हैं। मान लीजिए, एक कंपनी का शेयर ₹1 पर ट्रेड कर रहा है। ठग इस शेयर को बड़े पैमाने पर खरीद लेते हैं। फिर वो सोशल मीडिया पर इसके बारे में हल्ला मचाना शुरू कर देते हैं। वो कहते हैं कि ये कंपनी जल्द ही ₹50 तक जाएगी, क्योंकि इसे कोई बड़ा ऑर्डर मिला है या कोई बड़ी कंपनी इसे खरीदने वाली है। लोग इन बातों पर भरोसा करके शेयर खरीदने लगते हैं। जैसे-जैसे डिमांड बढ़ती है, शेयर की कीमत ₹10, ₹20, फिर ₹40 तक पहुंच जाती है।

निवेशकों को लगता है कि वो सही रास्ते पर हैं, और वो और शेयर खरीद लेते हैं। लेकिन जैसे ही शेयर की कीमत ठगों के टारगेट तक पहुंचती है, वो अपने सारे शेयर बेच देते हैं। इससे मार्केट में शेयरों की सप्लाई अचानक बढ़ जाती है, और कीमत ₹2-3 तक गिर जाती है। जो निवेशक ऊंचे दाम पर शेयर खरीद चुके थे, उनके हाथ में सिर्फ घाटा रह जाता है। इस पूरे खेल में ठग मिनटों में करोड़ों कमा लेते हैं, और निवेशक अपनी मेहनत की कमाई गंवा बैठते हैं।

इस स्कैम में कई बार निवेशक अपने शेयर बेच भी नहीं पाते, क्योंकि जैसे ही ठग शेयर को 'डंप' करते हैं, शेयर का दाम तेजी से गिरने लगता है और वह अपने लोअर सर्किट पर पहुंच जाता है। लोअर सर्किट लगते ही शेयर में बिकवाली रुक जाती है, क्योंकि कोई खरीदार नहीं मिलता। कई बार ऐसा भी होता है कि शेयर महीनों तक हर दिन लोअर सर्किट पर अटका रहता है। निवेशकों को पता चल जाता है कि वे फंस चुके हैं, लेकिन उनके पास निकलने का कोई रास्ता नहीं होता।

पेनी स्टॉक्स है ठगों का पसंदीदा हथियार

'पंप एंड डंप' स्कैम में ज्यादातर पेनी स्टॉक्स का इस्तेमाल होता है। पेनी स्टॉक्स वो शेयर होते हैं, जिनकी कीमत बहुत कम होती है, जैसे ₹1, ₹2 या ₹5। इन शेयरों को ऑपरेट करना आसान होता है, क्योंकि इनकी ट्रेडिंग वॉल्यूम कम होती है और थोड़ी सी खरीदारी से भी इनकी कीमत में बड़ा उछाल आ सकता है। इसके अलावा, इन कंपनियों की जानकारी मार्केट में कम होती है, जिससे ठगों को फर्जी खबरें फैलाने का मौका मिल जाता है।

सेबी की सख्ती, ठगों की अब खैर नहीं

सेबी इस तरह के घोटालों पर लगाम कसने के लिए लगातार सख्त कदम उठा रही है। हाल के सालों में सेबी ने कई बड़े नामों पर कार्रवाई की है, जो 'पंप एंड डंप' स्कैम में शामिल थे। मिसाल के तौर पर, बॉलीवुड एक्टर अरशद वारसी और उनकी पत्नी मारिया गोरेटी को साधना ब्रॉडकास्ट लिमिटेड के शेयरों में हेरफेर करने के लिए सेबी ने एक साल के लिए शेयर बाजार से बैन कर दिया था। इस स्कैम में यूट्यूब वीडियोज के जरिए शेयर की कीमत को गलत तरीके से बढ़ाया गया था, और ठगों ने ₹58.01 करोड़ का मुनाफा कमाया था।

इसी तरह, मशहूर मार्केट एक्सपर्ट संजीव भसीन और उनके 11 साथियों पर भी सेबी ने कार्रवाई की थी। सेबी ने उन पर ₹11.37 करोड़ की गैरकानूनी कमाई का आरोप लगाया और उन्हें शेयर बाजार से बैन कर दिया। भसीन पर आरोप था कि वो टीवी चैनलों और सोशल मीडिया पर स्टॉक टिप्स देकर पहले खुद उन शेयरों को खरीद लेते थे और फिर कीमत बढ़ने पर बेच देते थे।

हाल ही में सेबी ने 20 लाख से ज्यादा फॉलोवर्स वाले यूट्यूबर रविंद्र बालू भारती पर भी शिकंजा कसा है। रविंद्र पर आरोप है कि वो अपने यूट्यूब चैनल के जरिए निवेशकों को गलत स्टॉक टिप्स देकर 'पंप एंड डंप' स्कैम को बढ़ावा दे रहे थे। सेबी की इन कार्रवाइयों से साफ है कि वो निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

निवेशकों के लिए सेबी की सलाह

सेबी ने निवेशकों को इस तरह के घोटालों से बचने के लिए कई सलाह दी हैं। सेबी का कहना है कि निवेशक किसी भी स्टॉक में पैसा लगाने से पहले उस कंपनी के फंडामेंटल्स की अच्छे से जांच कर लें। अगर कोई शेयर अचानक बिना किसी वजह के तेजी से चढ़ रहा है, तो उसमें निवेश करने से पहले सावधान रहें। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर मिलने वाली स्टॉक टिप्स पर आंख मूंदकर भरोसा न करें। सेबी ने निवेशकों से कहा है कि वो केवल रजिस्टर्ड फाइनेंशियल एडवाइजर्स की सलाह लें और अपने पैसे को सुरक्षित रखें।

'अदाणी समूह के किसी भी व्यक्ति पर न्याय में बाधा डालने की साजिश के आरोप नहीं', AGM में बोले गौतम अदाणी

अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने समूह की वार्षिक आम बैठक के दौरान अमेरिका में समूह के खिलाफ हुए मुकदमों और पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव पर अपनी राय रखी है। गौतम अदाणी ने कहा है कि पिछले साल अमेरिकी न्याय विभाग और एसीसी ने अदाणी ग्रीन एनर्जी से संबंधित आरोप लगाए थे, लेकिन अदाणी समूह के किसी भी व्यक्ति पर एफसीपीए का उल्लंघन करने या न्याय में बाधा डालने की साजिश रचने का आरोप नहीं लगाया गया है।

दूसरी ओर पश्चिम एशिया में जारी तनाव पर बोलते हुए गौतम अदाणी ने कहा कि मध्य पूर्व में संघर्ष बढ़ने का असर ऊर्जा और रसद पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यूरोप में आर्थिक आत्मविश्वास डगमगा रहा है और अमेरिका के सामने अपनी चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि इस शोरगुल के बीच भारत अलग खड़ा रहा और किसी भी अन्य प्रमुख देश की तुलना में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

इस्राइल के हाइफा पोर्ट पर अदाणी की 70% हिस्सेदारी

इस्राइल में अदाणी की मौजूदगी का केंद्र हाइफा पोर्ट है, जहां अदाणी पोर्ट्स की 70% हिस्सेदारी है जिसे 2023 में इस्राइल के गैडोट ग्रुप के साथ साझेदारी में 1.2 बिलियन डॉलर में खरीदा गया है। उत्तरी इस्राइल में रणनीतिक रूप से स्थित यह पोर्ट अदाणी पोर्ट्स के वार्षिक कार्गो वॉल्यूम में लगभग 3% का योगदान देता है और इस्राइली आयात और निर्यात के लिए महत्वपूर्ण है।

अदाणी समूह के पास बाधाओं से परे सपने देखने की हिम्मत

हिंडनबर्ग प्रकरण और अमेरिका में हुए मुकदमों की इशारा करते हुए गौतम अदाणी ने कहा कि हम चुनौतीपूर्ण वर्षों में भी एक ऐसे समूह के प्रमाण के रूप में खड़े हैं जो बाधाओं से परे सपने देखने की हिम्मत रखता है।

उन्होंने कहा, 'हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जहां नकारात्मकता अक्सर सच्चाई से ज्यादा जोर से गूंजती है। हम कानूनी प्रक्रियाओं में सहयोग करते हैं, मैं यह भी दोहराना चाहता हूँ कि हमारा शासन वैश्विक मानकों पर आधारित है।₹ गौतम अदाणी ने कहा कि हमारे अनुपालन ढांचे से कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। हमारे आंकड़े अपनी कहानी खुद बताते हैं।₹ उन्होंने आगे कहा कि चुनौतियों से भरे वर्ष में भी, हमने रिकॉर्ड तोड़ राजस्व, अभूतपूर्व वृद्धि और ऐतिहासिक लाभप्रदता देखी।

अदाणी एयरपोर्ट्स को मिला 1 अरब डॉलर का वित्तपोषण

अदाणी समूह की एविएशन शाखा ने मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के निर्माण के लिए वैश्विक निवेशकों से एक अरब डॉलर का वित्तपोषण हासिल किया है। समूह ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

बयान में कहा गया, 'लेन-देन का नेतृत्व अपोलो द्वारा प्रबंधित फंडों की ओर से किया गया, जिसमें प्रमुख संस्थागत निवेशकों और बीमा कंपनियों के एक समूह ने भाग लिया, जिसमें ब्लैकरॉक द्वारा प्रबंधित फंड, स्टैंडर्ड चार्टर्ड आदि शामिल थे। इस डील ने भारत के बुनियादी ढांचे के अवसर और अदाणी एयरपोर्ट्स के परिचालन प्लेटफॉर्म में वैश्विक विश्वास को दर्शाया है।'

अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी और भारत की सबसे बड़ी निजी हवाई अड्डा ऑपरेटर, अदाणी एयरपोर्ट्स होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने अपने मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एमआईएएल) के लिए परियोजना वित्त संरचना के माध्यम से 1 बिलियन अमरीकी डॉलर जुटाए।

ईरान-इजराइल में सीजफायर के बाद अब हथियारों का बाजार बढ़ाने चला अमेरिका, नाटो समिट में डिफेंस बजट अहम मुद्दा

वॉशिंगटन, एजेंसी। कहते हैं कि जंग अगर रुक भी जाए तो उसका मतलब शांति नहीं है। क्योंकि शांति जल्दी बहाल नहीं होती। उसमें काफी वक्त लग जाता है। इसीलिए शायद जंग के बाद शांति नहीं सीजफायर आता है। ईरान और इजराइल के बीच 12 दिन के खूनी संघर्ष के बाद अब सीजफायर हो गया। भारत-पाकिस्तान की तरह ही इसका भी ऐलान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किया। पर मुश्किल ये है कि भले सीजफायर हो गया मगर जमीन पर हालात सामान्य नहीं।

इसी समय में शांति के पैरोकार बनकर खुद को पेश करने वाले ट्रंप अमेरिका हथियार के कारोबार को और हरा भरा करने में जुट गए हैं। ऐसे इशारे नीदरलैंड्स की राजधानी द हेग में 24-25 जून को होने वाली नाटो समिट से मिल रही है। जहां इसके सदस्य देशों के रक्षा बजट को लेकर बड़ा फैसला लिया जा सकता है। अमेरिका की मंशा है कि नाटो देश अब अपनी GDP का 5 फीसदी हिस्सा डिफेंस पर खर्च करें यानी मौजूदा जो दायरा है, उस से ढाई गुना ज़्यादा। इस प्रस्ताव ने यूरोपीय देशों के भीतर गंभीर मतभेद खड़े कर दिए हैं। कुछ देश ट्रंप की इस नई मांग के समर्थन में हैं, जबकि स्पेन जैसे देश इसका खुला विरोध कर रहे हैं। ऐसे में जरूरी है ये समझना कि नाटो समिट का एजेंडा क्या है, अमेरिका किस रणनीति के तहत ये दबाव बना रहा है और यूरोपीय देशों को इस पर आपत्ति क्यों है?

नाटो समिट: क्यों खास है ये बैठक?

नाटो (NATO) यानी नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन के सदस्य देश हर साल मिलकर सुरक्षा और रक्षा से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा करते हैं। इस बार की समिट इसलिए खास है क्योंकि इसमें सिर्फ सुरक्षा पर ही नहीं, बल्कि आने वाले सालों के डिफेंस खर्च पर बड़ा फैसला होने वाला है।

अभी तक नाटो देशों का लक्ष्य था कि वे अपनी GDP का कम से कम 2% डिफेंस पर खर्च करें। लेकिन 2024 में भी लगभग एक-तिहाई सदस्य इस टारगेट को नहीं छू सके हैं। अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फिर से गठबंधन पर दबाव बना रहे हैं कि यह टारगेट बढ़ाकर 5% किया जाए।

कौन कितना खर्च कर रहा है?

2024 के अनुमान के मुताबिक, अगर हम देखें कि नाटो देश अपनी जीडीपी का कितना हिस्सा रक्षा पर खर्च कर रहे हैं, तो तस्वीर साफ है। कुछ देश खूब खर्च कर रहे हैं, तो कुछ अभी भी पीछे हैं। सबसे ज्यादा खर्च करने वालों में पोलैंड सबसे आगे है, जो अपनी जीडीपी का 4.12% सिर्फ डिफेंस पर लगा रहा है। इसके बाद एस्टोनिया (3.43%) और अमेरिका (3.38%) का नंबर आता है। लातविया (3.15%) और ग्रीस (3.08%) भी तीन फीसदी से ऊपर हैं, यानी इन देशों ने सुरक्षा को अपनी सबसे बड़ी प्राथमिकता बना लिया है।

वो देश जो रक्षा पर सबसे ज्यादा खर्च करते हैं।

अब आते हैं उन देशों पर जो 2 फीसदी से ऊपर या उसके आसपास खर्च कर रहे हैं, जो कि नाटो की गाइडलाइन के मुताबिक ठीक-ठाक माने जा सकते हैं। इनमें लिथुआनिया, फिनलैंड, यूके, डेनमार्क, रोमानिया, नॉर्थ मैसेडोनिया, नॉर्वे, बुल्गारिया, जर्मनी, स्वीडन, हंगरी, तुर्किये, फ्रांस, नीदरलैंड, अल्बानिया, मोंटेनेग्रो और स्लोवाक रिपब्लिक जैसे देश शामिल हैं। ये सभी 2 से 2.85% के बीच खर्च कर रहे हैं, यानी मानक को या तो पूरा कर चुके हैं या उससे थोड़ा आगे-पीछे हैं।

2 फीसदी से भी कम खर्च करने वाले देश

वहीं जिन देशों की डिफेंस पर खर्च की हिस्सेदारी 2 फीसदी से कम है, उनमें शामिल हैं क्रोएशिया (1.81%), पुर्तगाल (1.55%), इटली (1.49%), कनाडा (1.37%), बेल्जियम (1.30%), लक्ज़मबर्ग (1.29%), स्लोवेनिया (1.29%) और सबसे कम स्पेन (1.28%)। ये वो देश हैं जिन्हें अमेरिका और नाटो बार-बार याद दिला रहे हैं कि अगर गठबंधन को मज़बूत रखना है, तो अपनी जेब ढीली करनी होगी। यानि कुल मिलाकर, अमेरिका का ये कहना कि "कुछ देश सिर्फ सुरक्षा मुफ्त में पा रहे हैं", पूरी तरह गलत नहीं है।

ट्रंप का दबाव: अमेरिका क्यों चाहता है ज्यादा खर्च?

डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से यह कहते आए हैं कि अमेरिका अकेले नाटो की सुरक्षा की कीमत चुका रहा है, जबकि बाकी देश अपना हिस्सा नहीं निभा रहे। ट्रंप की योजना के मुताबिक, नाटो देशों को अपनी GDP का 3.5% सीधे मिलिट्री खर्चों पर और 1.5% साइबर सिक्योरिटी, इन्फ्रास्ट्रक्चर और लॉजिस्टिक्स जैसे सपोर्ट सिस्टम्स पर खर्च करना होगा।

इस दो-स्तरीय प्रस्ताव पर कई देशों ने समर्थन तो किया है, लेकिन साथ ही समयसीमा और संसाधनों को लेकर अपनी चिंताएं भी जाहिर की हैं। कई एक्सपर्ट्स का मानना है कि अमेरिका इस डिफेंस बजट बढ़ोतरी के जरिए अपने हथियार उद्योग को मज़बूत करना चाहता है। ज्यादा डिफेंस बजट का मतलब है ज्यादा खरीद और ज्यादा ऑर्डर और इसमें सबसे बड़ा खिलाड़ी अमेरिकी कंपनियां हैं।

किसे मंजूर, किसे ऐतराज?

इस प्रस्ताव को लेकर यूरोप बंटा हुआ है। जर्मनी, नीदरलैंड और बाल्टिक देश जैसे लिथुआनिया 3.15% खर्च के पक्ष में हैं क्योंकि रूस का खतरा उनके दरवाजे तक आ चुका है। लेकिन स्पेन, इटली और कई अन्य देश इसे अव्यावहारिक बता रहे हैं। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने साफ कहा है कि उनकी सरकार 2.1% से ज्यादा रक्षा पर खर्च नहीं कर सकती। उनके मुताबिक हम नाटो की जरूरतों को 2.1% खर्च में पूरा कर सकते हैं। इससे ज्यादा करना संभव नहीं है। दरअसल, स्पेन नाटो का सबसे कम खर्च करने वाला सदस्य है। 2024 में उसका रक्षा बजट GDP का केवल 1.28% था। ऐसे में अचानक 5% खर्च का दबाव उसके लिए आर्थिक और राजनीतिक दोनों लिहाज से भारी पड़ सकता है।

2032 या 2035? समयसीमा पर फंसा पेंच

नाटो की अंदरूनी बहस केवल खर्च की मात्रा पर नहीं, बल्कि समयसीमा पर भी है। कुछ देश चाहते हैं कि ये नया टारगेट 2035 तक लागू किया जाए, जबकि अमेरिका 2030 तक इस लक्ष्य को हासिल करना चाहता है। बाल्टिक देश 2030 की बात कर रहे हैं वहीं इटली जैसे देश इसे 10 साल का लंबा प्रोसेस मानते हैं। नाटो के नए महासचिव मार्क रूटे ने बीच का रास्ता सुझाया है कि 2032 तक 3.15% खर्च और बाक़ी 1.15% में लचीलापन। इस प्रस्ताव पर हैग समिट में मुहर लग सकती है।

क्या बदलेगा समिट के बाद?

अगर नाटो समिट में 5% डिफेंस खर्च का नया टारगेट पास हो जाता है, तो ये नाटो के इतिहास का सबसे बड़ा बदलाव होगा। इससे यूरोप की सैन्य शक्ति बढ़ेगी, लेकिन कई देशों की आंतरिक राजनीति भी प्रभावित हो सकती है। स्पेन जैसे देशों में पहले से ही गठबंधन सरकारें और आर्थिक चुनौतियां हैं, ऐसे में ज्यादा डिफेंस खर्च वहां की सरकारों के लिए गले की हड्डी बन सकता है। दूसरी ओर रूस और चीन के खिलाफ नाटो की तैयारी और स्पष्टता बढ़ेगी जिससे अमेरिका के प्रभाव को भी मजबूती मिलेगी।

ईरान ने आखिरी वक्त तक नहीं मानी हार, इन 2 फोन कॉल से जाकर रुकी इजराइल से जंग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कतर की सिफारिश पर ईरान और इजराइल के बीच सीजफायर कराया है। यह खुलासा मैगजीन न्यूजवीक ने अमेरिकी राजनयिक सूत्रों के हवाले से किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान ने जैसे ही कतर पर मिसाइलें दागीं, वैसे ही कतर के अमीर और प्रधानमंत्री अमेरिका की तरफ देखने लगे। न्यूजवीक ने अमेरिकी राजदूत के हवाले से कहा कि कतर की सिफारिश पर ट्रंप ने मध्यपूर्व के अपने दूत विटकॉफ से बात की। विटकॉफ ने इसके बाद ईरानी समकक्ष को फोन मिलाया।

रिपोर्ट के मुताबिक सीजफायर के ऐलान होने तक कतर के अमीर और प्रधानमंत्री एक्टिव रहे। दोनों लगातार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से बात करते रहे। ईरान ने सोमवार को आधी रात में कतर पर ही मिसाइल अटैक किया था। दोहा के अमेरिकी एयरबेस पर ईरान ने 6 मिसाइल दागे थे। कतर आगे भी हमले का डर सता रहा था।

Axios ने व्हाइट हाउस के सूत्रों के हवाले से बताया है कि जैसे ही विटकॉफ ने ईरान के विदेश मंत्री को फोन लगाया। वैसे ही विदेश मंत्री ने शर्त रख दी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघाची का कहना था कि इजराइल हमला रोकेगा, तभी बात बन सकती है।

अराघाची के मुताबिक जंग की शुरुआत इजराइल ने की थी। हमला रोकना भी उसी का काम है। इजराइल हमला रोकता है तब हम भी हमला नहीं करेंगे। फोन पर विटकॉफ ने ईरान को यह भरोसा दिलाया कि इजराइल अगले 24 घंटे बाद हमला नहीं करेगा। ईरान के विदेश मंत्री से फोन पर बात करने के बाद विटकॉफ ने अपना संदेश व्हाइट हाउस को भेज दिया। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने सीजफायर की घोषणा की।

बड़ा सवाल- जंग में अब आगे क्या?

इजराइल और अमेरिका की कोशिश ईरान के यूरेनियम संवर्धन को खत्म करने की थी। अमेरिका ने इसी रणनीति के तहत ईरान के 3 न्यूक्लियर साइट को निशाने पर लिया। हालांकि, ईरान का कहना है कि वहां यूरेनियम थे ही नहीं।

द टेलीग्राफ ब्रिटेन की रिपोर्ट के मुताबिक अटैक से पहले ही 400 किलोग्राम यूरेनियम को ईरान ने शिफ्ट कर लिया। इसके बारे में किसी को कोई जानकारी नहीं है।

इजराइल का कहना है कि अभी एक-दो साल तक ईरान परमाणु बम तैयार नहीं करा पाएगा। आगे क्या होगा, यह बहुत कुछ ईरान की अगली रणनीति पर निर्भर करेगा।

6 नदियों पर कर लेंगे कब्जा... बिलावल भुट्टो दे रहे भारत को युद्ध की धमकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता और पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ज़रदारी ने भारत के खिलाफ एक बार फिर से ज़हर उगला है। बिलावल भुट्टो ज़रदारी ने भारत को एक बार फिर से गीदड़भभकी दी है। बिलावल भुट्टो ने कहा, भारत अगर सिंधु जल संधि को मानने से इनकार करता है तो पाकिस्तान सभी छह नदियों से पानी लेगा। पाकिस्तान सभी छह नदियों पर अपने देश कि जनता के लिए कब्जा कर लेगा। इसके अलावा पाकिस्तान ने भारत को युद्ध की भी धमकी दे डाली है। बिलावल भुट्टो ने आगे कहा, पाकिस्तान युद्ध से पीछे नहीं हटेगा। हाल ही में गृह मंत्री अमित शाह ने साफ कह दिया था कि सिंधु जल समझौते को कभी बहाल नहीं किया जाएगा। अमित शाह के इस बयान के बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इसका विरोध जताया। बिलावल भुट्टो ने भारत को विकल्प देते हुए कहा कि भारत सिंधु जल संधि को चालू करे या फिर युद्ध कि लिए तैयार हो जाए। ऐसा पहली बार नहीं है जब बिलावल भुट्टो ज़रदारी की तरफ से ऐसा आक्रामक बयान आया हो। इससे पहले भी बिलावल भुट्टो ज़रदारी ने सिंधु जल संधि को लेकर कहा था कि, "या तो उनका खून इसमें बहेगा या पानी बहेगा।"

गृह मंत्री के बयान पर तिलमिलाया पाकिस्तान

भारत ने UN में पाकिस्तान को करारा जवाब देते हुए कहा था कि, "पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते।" सिंधु जल संधि टूटने के पीछे भारत ने पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। बिलावल भुट्टो ज़रदारी का ऐसा बयान ऐसे वक्त पर आया है जब भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि को लेकर तनाव बना हुआ है। भारत ने हाल के वर्षों में इस संधि पर पुनर्विचार करने के संकेत दिए हैं। गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर पाकिस्तान तिलमिला गया है। जिसके बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर गृह मंत्री के बयान की आलोचना की। 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल समझौता हुआ था।

उपचुनाव की जीत से केजरीवाल को मिली संजीवनी, गुजरात-पंजाब में आप ने बढ़ाई कांग्रेस की टेंशन

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे आम आदमी पार्टी के लिए किसी सियासी संजीवनी से कम नहीं है। अरविंद केजरीवाल के हाथों से दिल्ली की सत्ता निकल जाने से आम आदमी पार्टी हताश और निराश हो गई थी, लेकिन उपचुनाव में दो सीटें उसके हिस्से में आई है। पंजाब और गुजरात उपचुनाव में जिस तरह से आम आदमी पार्टी ने जीत दर्ज की है, उसने कांग्रेस की राजनीतिक टेंशन बढ़ा दी है। दो साल के बाद गुजरात और पंजाब में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की सियासी राह काफी मुश्किलों भरी हो सकती है?

दिल्ली विधानसभा चुनाव में सत्ता और अपनी सीट गंवाने के बाद से कयास लगाए जाने लगे थे कि अरविंद केजरीवाल की राजनीति खत्म हो गई, क्योंकि दिल्ली मॉडल के जरिए आम आदमी पार्टी की राजनीति सियासी परवान चढ़ी थी। यही वजह थी कि दिल्ली की सत्ता से बाहर होने के बाद केजरीवाल की सियासत पर सवाल खड़े हो रहे थे, लेकिन चार महीने के बाद उपचुनाव में दो सीटें जीतकर आम आदमी पार्टी कमबैक करने में कामयाब रही है। ये अरविंद केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी दोनों के लिए सियासी

संजीवनी मानी जा रही है।

आप उपचुनाव में दो सीटें जीतने में सफल

पंजाब के लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव आम आदमी पार्टी जीतने में सफल रही है। आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा को 35179 मत हासिल हुए तो कांग्रेस के भारत भूषण आशु को 24542 वोट मिले। संजीव अरोड़ा 10637 वोटों से जीत दर्ज कर विधायक बन गए हैं। इस तरह से आम आदमी पार्टी ने एक बार फिर से लुधियाना पश्चिम सीट पर अपना दबदबा बनाए रखने में सफलता हासिल की है, जो कांग्रेस के लिए सियासी तौर पर बड़ा झटका माना जा रहा है।

वहीं, गुजरात की कादी और विसावदर विधानसभा सीट पर उपचुनाव हुए, जिसमें कादी सीट बीजेपी और विसावदर सीट आम आदमी पार्टी जीतने में कामयाब रही है। विसावदर सीट पर आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी गोपाल इटालिया को 75942 वोट मिले और बीजेपी के किरीट पटेल को 58388 वोट मिले। आम आदमी पार्टी यह सीट 17554 वोट से जीतने में सफल रही है।

2022 में इस सीट से आम आदमी पार्टी के भूपेंद्र भाई भयानी विधायक चुने गए थे, लेकिन बीजेपी का दामन थाम लेने के चलते उपचुनाव हुए थे। इसके बाद भी बीजेपी उपचुनाव में आम आदमी पार्टी से नहीं जीत सकी।

आम आदमी पार्टी के लिए सियासी संजीवनी

दिल्ली की सत्ता गंवाने के बाद उपचुनाव में पांच में से दो सीटें जीतना आम आदमी पार्टी के लिए किसी सियासी संजीवनी से कम नहीं है। लुधियाना पश्चिम सीट जीतकर आम आदमी पार्टी ने 2027 में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए मजबूत सियासी आधार रखा है। इसी तरह से गुजरात की विसावदर उपचुनाव आम आदमी पार्टी के लिए अपने साख का सवाल बना हुआ था, जिसे जीतकर अपना दबदबा को बनाए रखने में सफल रही है। यही नहीं आम आदमी पार्टी के विधायक को अपने साथ मिलाने के बाद भी बीजेपी यह सीट नहीं जीत सकी। इन दोनों सीटों पर जीत आम आदमी पार्टी के लिए संजीवनी मानी जा रही है जो कि आगे के चुनाव में एनर्जी देने का काम करेगी।

दिल्ली में हार के बाद जिस तरह का सियासी माहौल आम आदमी पार्टी के लिए बन गया था और केजरीवाल की सियासत पर सवाल खड़े होने लगे थे, उसमें उपचुनाव की दो सीटें जीती है, वो आम आदमी पार्टी के हौसले को बढ़ाने वाली हैं। दिल्ली की हार के बाद पंजाब में कांग्रेस-बीजेपी के सियासी चक्रव्यूह के बीच लुधियाना सीट जीतना और बीजेपी के गढ़ गुजरात में आम आदमी पार्टी का सीट निकालना बहुत ही अधिक चौंकाने वाला है। उपचुनाव में पांच से दो सीटें जीतना सिर्फ केजरीवाल ही नहीं बल्कि आम आदमी पार्टी की वापसी करना का मौका दे दिया है।

जीत के केजरीवाल ने दिया सियासी संदेश

पंजाब और गुजरात में उपचुनाव जीत के बाद अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी और कांग्रेस को अपने निशाने पर लिया। केजरीवाल ने ट्वीट कर गुजरात की विसावदर और पंजाब की लुधियाना पश्चिम सीट पर जीत की बधाई दीं। उन्होंने कहा कि गुजरात और पंजाब दोनों ही जगह पिछले चुनाव के मुकाबले लगभग दोगुने मार्जिन से जीत हुई है। ये दिखाता है कि पंजाब के लोग हमारी सरकार के कामों से बहुत खुश हैं और उन्होंने 2022 से भी ज्यादा वोट दिया है।

केजरीवाल ने कहा कि गुजरात की जनता अब बीजेपी से परेशान हो चुकी है और उन्हें आम आदमी पार्टी में उम्मीद दिखाई दे रही है। दोनों जगह कांग्रेस और बीजेपी, दोनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ीं। इन दोनों का एक ही मकसद आम आदमी पार्टी को हराना था, लेकिन जनता ने दोनों ही जगह इन दोनों ही दल को पूरी तरह से नकार दिया। इस तरह से अरविंद केजरीवाल ने सियासी संदेश दिया कि पंजाब में लोग आम आदमी पार्टी के साथ हैं तो गुजरात में कांग्रेस के बजाय आम आदमी पार्टी को बीजेपी का सियासी विकल्प मान रहे हैं?

पंढरपुर यात्रा पर ऐसा क्या बोले अबू आजमी, मांगनी पड़ी माफी, भाजपा नेता ने कहा– दफना दिए जाओगे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी से विधायक अबू आजमी ने वारी यात्रा पर दिए गए विवादास्पद बयान के लिए माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि उनके बयान से गलतफहमी हुई और वारकरी समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंची है। आजमी ने स्पष्ट किया कि उनका इरादा किसी की धार्मिक भावनाओं को आहत करने का नहीं था, बल्कि अल्पसंख्यक समुदाय के साथ हो रहे भेदभाव पर ध्यान आकर्षित करना था। उन्होंने अपने बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किए जाने का भी आरोप लगाया है।

अबू आजमी अपने बयानों के कारण चर्चाओं में बने रहते हैं। इसके कारण उन्हें विरोध का सामना भी करना पड़ता है। पिछली बार उन्होंने औरंगजेब को लेकर टिप्पणी की थी, जिसके बाद देशभर में उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन देखने को मिले थे। इसके साथ ही मामला भी दर्ज किया गया था। महाराष्ट्र के नासिक में विधायक के गुस्से के बाद आखिरकार अबू आजमी ने माफी मांग ली है, लेकिन भाजपा आध्यात्मिक मोर्चा के अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि अगर महाराष्ट्र की अस्मिता से खेलना जारी रखा तो वहीं दफना दिए जाओगे।

माफी मांगते हुए क्या बोले आजमी?

विवाद बढ़ता देख अबू आजमी ने इस मामले में जल्दबाजी करते हुए माफी मांग ली है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा कि हाल ही में सोलापुर में मेरे द्वारा की गई एक टिप्पणी को लेकर जो गलतफहमियां फैली हैं, मैं उन्हें स्पष्ट करना चाहता हूं। मेरे वक्तव्य को तोड़मरोड़ कर और दुर्भावनापूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया। यदि इससे वारकरी सम्प्रदाय की धार्मिक भावना आहत हुई हो, तो मैं अपने शब्द पूरी तरह से वापस लेता हूं और क्षमा चाहता हूं। मेरी मंशा कभी भी किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की नहीं थी।

उन्होंने आगे लिखा कि मैं एक समर्पित समाजवादी हूं और हमेशा से हर धर्म, संस्कृति, सूफी संतों तथा उनकी परंपराओं का आदर करता आया हूं। मैं वारी परंपरा का पालन कर रहे सभी वारकरी भाइयों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और उनके प्रति अपनी सम्मान भावना प्रकट करता हूं। यह परंपरा महाराष्ट्र की सर्वधर्मीय, समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का गौरवपूर्ण हिस्सा है, जिसका मैं व्यक्तिगत रूप से सम्मान करता हूं।

उपेक्षित समाज के हक़-सम्मान लड़ाई रहेगी जारी

आजमी ने सफाई पेश करते हुए कहा कि मेरी तरफ से वारी पालखी का उल्लेख केवल मुस्लिम समाज के साथ हो रहे भेदभाव और उनके अधिकारों के संदर्भ में किया गया था। यह किसी प्रकार की तुलना नहीं थी एवं मेरी नीयत और मेरी मांग किसी भी रूप में अनुचित नहीं थी।

उन्होंने कहा कि मेरी केवल इतनी मंशा थी कि सरकार का ध्यान इस बात की ओर आकृष्ट कर सकूं कि उसके दोहरे मापदंड अल्पसंख्यक समुदाय के मन में यह भावना न उत्पन्न करें, कि उनके लिए इस देश में अलग कानून हैं। जब की हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी खुद कहते है सब का साथ, सब का विकास और सब का विश्वास।

नताशा स्टेनकोविक ने बोल्ड फोटोशूट से मचाया तहलका, इंस्टाग्राम पर शेयर की स्टनिंग तस्वीरें

भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या की एक्स वाइफ और एक्ट्रेस नताशा स्टेनकोविक अक्सर अपने लुक को लेकर सुर्खियों में आ जाती हैं. जी हां, वो आए दिन अपने बोल्ड लुक्स की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं और छा जाती हैं। इसी बीच अब उन्होंने अपनी कुछ ऐसी फोटोज शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस भी हैरान रह गए हैं। तो चलिए उनके नए लुक के बारे में आपको भी बताते हैं।

दरअसल, नताशा स्टेनकोविक ने हाल ही में एक फोटोशूट कराया है, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया जमकर वायरल हो रही रही हैं। जी हां, अपनी इन तस्वीरों से एक्ट्रेस हर तरफ छा गईं हैं। इन तस्वीरों में नताशा ब्लैक कलर की स्पोर्ट्स ब्रा और ब्लू कलर की डेनिम पहने दिखाई दे रही हैं। मिनिमल मेकअप और खुले बालों में नताशा बेहद स्टनिंग दिख रही हैं। वहीं इस दौरान नताशा ने अपनी जीन्स की चेन खोलकर जमकर पोज दिए। ऐसे में अब उनकी इन तस्वीरों को देखने के बाद नेटिजन्स ने उन्हें ट्रोल कर दिया है।

जहां कुछ फैंस नताशा की फोटोज देखकर उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं, तो वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो उनकी जीन्स की चेन खुली देखकर उनपर भड़क गए हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, छुपाना भी नहीं आता, दिखाना भी नहीं आता। एक दूसरे शख्स ने कमेंट किया- ये कौन सा पोज है भाई। इसके अलावा, एक यूजर ने लिखा- चड्डी दिखाने का ट्रेंड बना लिया क्या। इसके अलावा एक यूजर ने कहा- थोड़ी तो शर्म कर लो।

पंकज त्रिपाठी ने किया अपनी नई फिल्म का ऐलान, अदिति राव हैदरी के साथ करेंगे रोमांस

अभिनेता पंकज त्रिपाठी पिछली बार वेब सीरीज क्रिमिनल जस्टिस 4 में नजर आए थे। हर सीजन की तरह चौथे सीजन में भी उन्होंने अपनी शानदार अदाकारी से दर्शकों का दिल जीता। एक ओर जहां पंकज फिल्म मेट्रो।।इन दिनों में नजर आने वाले हैं, वहीं इसकी रिलीज से पहले अब उन्होंने अपनी एक नई फिल्म का ऐलान भी कर दिया है। खास बात यह है कि इसमें अभिनेत्री अदिति राव हैदरी उनकी जोड़ीदार होंगी।

पंकज ने फिल्म की जानकारी सोशल मीडिया पर दी है। उन्होंने एक्स पर अदिति के साथ अपनी तस्वीरें साझा कर लिखा, परिवार, हंगामा और लखनऊ का स्वाद। बेहद प्रतिभाशली अदित राव हैदरी के साथ पारिवारिक मनुरंजन की शूटिंग शुरू कर दी है। वरुण वी शर्मा इस फिल्म के निर्देशक हैं। फिल्म में पारिवारिक ड्रामा देखने को मिलेगा, जिसमें पंकज के साथ अदिति भी कॉमेडी का छौंक लगाती दिखेंगी। अदिति और पंकज की बेमेल जोड़ी इस फिल्म का मुख्य आकर्षण होगी।

इस पर पंकज ने कहा, सक्रिप्ट में कुछ ऐसा था, जो बेहद आकर्षक और मजेदार था, इसलिए मैं मना नहीं कर सका। यह एक ऐसी कहानी है, जो अपनी गर्मजोशी के साथ चुपके से आपके दिल को छू जाती है। अदिति संग काम करने का यह मेरा पहला मौका है और मैंने हमेशा उनके अभिनय की सराहना की है। वरुण शर्मा, अली अब्बास जफर और निर्माता विनोद भानुशाली के साथ काम करने के लिए मैं बेहद उत्साहित हूं।

अदिति भी इस फिल्म से जुड़कर बहुत खुश हैं। वह बोलीं, जब मैंने सक्रिप्ट पढ़ी, तो मैं बस मुस्कुराती रही। मैं तो यह कहूंगी इस ब्रह्मांड में ऐसी कहानी मिलना दुर्लभ है। इस पर किसी का भी दिल आ जाएगा। पंकज सर के

साथ काम करनामेरे लिए यकीनन एक शानदार ट्रीट है। वह इस शैली के उस्ताद हैं और मेरे लिए यह एक बड़ा सीखने का अनुभव और खुशी देने वाला अनुभव होने वाला है।

निर्देशक वरुण कहते हैं, यह कहानी मेरे दिल के बेहद करीब है। हम पंकज और अदिति को साथ लाने के लिए बेहद उत्साहित हैं। वरुण इससे पहले सलमान खान की भारत और सुल्तान जैसी फिल्मों के लेखक रहे हैं। पारिवारिक मनुरंजन उनके निर्देशन में बनने वाली पहली फीचर फिल्म होगी, जिससे अली अब्बास जफर बतौर क्रिएटिव प्रोड्यूसर जुड़े हैं। उधर जहां पंकज फिल्म मेट्रो।।इन दिनों के प्रचार में जुटे हैं, वहीं अदिति वेब सीरीज ओ साथी रे में नजर आएंगी।

ड्रग मामले में न्यायिक हिरासत में भेजा गया ये साउथ एक्टर, कोकीन खरीदने का लगा आरोप

तमिल सिनेमा के अभिनेता श्रीकांत एक कानूनी पचड़े में फंस गए हैं। पुलिस ने अभिनेता को तकरीबन आठ घंटे की लंबी पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। जहां वो 7 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में रहेंगे। श्रीकांत पर ये कार्रवाई ड्रग्स से जुड़े एक मामले में हुई है।

एक्टर के ड्रग्स लेने की हुई पुष्टि

पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि श्रीकांत के ब्लड सैंपल किलपौक मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मेडिकल टेस्ट के लिए एकत्र किए गए थे। जिसके बाद जांच में अभिनेता के शरीर में नशीले पदार्थ की मौजूदगी की पुष्टि हुई। पुलिस ने बताया कि इसके बाद सोमवार रात को श्रीकांत को एग्मोर स्थित 14वें मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के आवास पर ले जाया गया

और रिमांड पर लिया गया। अब उन्हें 7 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

कल अभिनेता से हुई थी पूछताछ

पूर्व एआईएडीएमके पदाधिकारी टी प्रसाद को हिरासत में लिए जाने के बाद सोमवार को नुंगमबक्कम पुलिस थाने में अभिनेता से पूछताछ की गई। पुलिस को शक है कि प्रसाद ने 46 वर्षीय श्रीकांत और एक अन्य अभिनेता को कोकीन की आपूर्ति की है। इस पूरे मामले में जांच के बाद अब ये कदम उठाया गया है।

11 ग्राम नशीला पदार्थ जब्त होने की खबर

पिछले सप्ताह नुंगमबक्कम पुलिस ने सलेम के प्रदीप कुमार को गिरफ्तार किया था और उससे मिली जानकारी के आधार पर उन्होंने घाना के जॉन नामक व्यक्ति को राज्य के होसुर से गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि उनके पास से करीब 11 ग्राम नशीला पदार्थ जब्त किया गया।

कई तमिल फिल्मों में नजर आ चुके हैं श्रीकांत

श्रीकांत के करियर की बात करें तो वो पिछले 26 साल से फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं। उन्होंने साल 1999 में टीवी शो जन्नाल – मरबू कविथैगल से अपना करियर शुरू किया था। श्रीकांत ने काना कंडेन, ओरु नाल कनवु, बाम्बारा कन्नले, मनासेल्लम, वर्णजलम, मर्करी पूक्कल, ईस्ट कोस्ट रोड, पू, सथुरंगम और नानबन जैसी कई फिल्मों में काम किया है। वो आखिरी बार तमिल फिल्म 'कोनजम कधल कोनजम मोधल' और तेलुगु फिल्म 'एरराचेरा' में नजर आए थे।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com